घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 86- रविवार 25- जनवरी 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

18वां रोजगार मेला...पीएम ने 61 हजार जॉब लेटर बांटे

युवाओं को नए अवसर मिलें,ये हमारा प्रयास,आज कई स्टार्टअप में महिला डायरेक्टर : पीएम मोदी

नई दिल्ली,24 जनवरी 2026। पीएम मोदी ने शनिवार को वर्चुअली 18वें रोजगार मेले में युवाओं को 61 हजार जॉब लेटर बांटे। ये नियुक्ति गृह मंत्रालय,स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय,वित्तीय सेवा विभाग,उच्च शिक्षा विभाग सहित अन्य विभागों में की गई है। रोजगार मेले का आयोजन देश के 45 जगहों पर किया जा रहा है। पीएम ने वर्चुअली संबोधन में कहा कि युवाओं को नए अवसर मिलें,ये हमारा प्रयास है। देशभर के स्टार्टअप में महिलाएं आगे हैं। कई स्टार्टअप में तो वे हेड हैं। महिला स्वरोजगार की दर में 15% की बढ़ोतरी हुई है। पिछला रोजगार मेला 24 अक्टूबर 2025 को आयोजित किया गया था। प्रधानमंत्री ने 22 अक्टूबर 2022 को रोजगार मेले का पहला फेज शुरू किया था। अब तक 11 लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार मिल चुका है।

भारत पर दुनिया को भरोसा : मोदी

भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम का दायरा बढ़ रहा है। देश में दो लाख रजिस्टर्ड स्टार्टअप में 21 लाख युवा काम कर रहे हैं। भारत की इकोनॉमी तेजी से बढ़ रही है। आज भारत पर जिस तरह दुनिया का भरोसा बढ़ रहा है इससे अनेकों संभावनाएं पैदा हो रही हैं।

रोजगार मेला मिशन मोड पर

सरकारी भर्तियों को भी कैसे मिशन मोड पर किया जाए इसलिए रोजगार मेले की शुरुआत की गई। रोजगार मेला एक इंस्टिट्यूशन बन गया है। भारत की युवा शक्ति के लिए नए अवसर बने ये हमारा प्रयास है। हम कई ट्रेड एग्रीमेंट कर रहे हैं। इससे अनेकों अवसर आने वाले हैं।

ऑटो इंडस्ट्री तेजी से बढ़ रही है...

2025 में टू व्हीलर की बिक्री दो करोड़ के पार पहुंच गई। आयकर और जीएसटी कम होने से लाभ हुआ। देश में बड़ी संख्या में रोजगार का अवसर पैदा हो रहा है।

स्टार्टअप में महिलाएं भी आगे : मोदी

8000 से ज्यादा बेटियों को नियुक्ति पत्र मिले। महिला स्वरोजगार की दर में 15% की बढ़ोतरी हुई है। आज कई स्टार्टअप में महिला डायरेक्टर हैं। गावों के कई रोजगार में महिलाएं हेड कर रही हैं। आपको एक और बात याद रखनी है। तेजी से बदले टेक के इस दौर में देश की प्राथमिकताएं बदल रही हैं। आपको खुद को लगातार अपग्रेड करना है। आईगॉट ऐप का उपयोग करें। इससे कई लोग खुद को ट्रेन कर रहे हैं। पिछले साल अक्टूबर में 17वें रोजगार मेले में जॉब लेटर बांटते हुए पीएम ने कहा, आज भारत दुनिया का सबसे युवा देश है। हम भारत की युवा क्षमता को एक बड़ी ताकत मानते हैं। हम हर क्षेत्र में इसी दृष्टिकोण और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं। हमारी विदेश नीति भी भारत के युवाओं के हितों पर केंद्रित है। युवाओं के लिए एक और बड़ा कदम है प्रतिभा सेतु पोर्टल। जो उम्मीदवार यूपीएससी की अंतिम सूची तक पहुंचे,लेकिन सिलेक्ट नहीं हुए। उनकी मेहनत भी अब व्यर्थ नहीं जाएगी। इसीलिए निजी और सार्वजनिक संस्था इस पोर्टल से उन युवाओं को निमंत्रित कर सकती है।

हर चुनौती के लिए तैयार रहें युवा एनसीसी कैडेट्स से लें प्रेरणा : राजनाथ

नई दिल्ली,24 जनवरी 2026। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के दौर में युवाओं को शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक रूप से मजबूत रहते हुए हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने युवाओं को एनसीसी कैडेट्स से प्रेरणा लेने की अपील की। राजनाथ सिंह ने दिल्ली कैंट में आयोजित एनसीसी गणतंत्र दिवस कैंप को संबोधित करते हुए एनसीसी कैडेट्स को राष्ट्र की दूसरी पंक्ति की रक्षा वाहिनी बताया और कहा कि उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी उत्कृष्ट योगदान दिया। भारतीय सेना ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान और पीओके में मौजूद आतंकियों को नष्ट कर साहस और संयम का परिचय दिया। उस समय ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एनसीसी कैडेट्स ने देशभर में मॉक ड्रिल्स करके लोगों को जागरूक किया था। उन्होंने युवाओं को महाभारत के अभिमन्यु की तरह बताया जो किसी भी चक्रव्यूह में प्रवेश कर विजय प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को हासिल करने में युवाओं की भूमिका को निर्णायक बताया। उन्होंने कहा कि एनसीसी युवाओं को अनुशासन,देशभक्ति और धैर्य सिखाता है। परेड, ड्रिल और कैंप उन्हें आरामदायक जीवनशैली से बाहर निकालकर मानसिक रूप से मजबूत बनाते हैं। उन्होंने कैडेट्स को जीवन में केवल प्लान-ए ही नहीं बल्कि प्लान-बी और प्लान-सी भी तैयार रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि एनसीसी से प्रशिक्षित कई लोग देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे चुके हैं। परमवीर चक्र विजेता कैप्टन मनोज पांडे और कैप्टन विक्रम बत्रा एनसीसी कैडेट रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी और स्वयं उन्होंने भी एनसीसी प्रशिक्षण लिया था। 1965 और 1971 के युद्धों में एनसीसी कैडेट्स को दूसरी पंक्ति की रक्षा के रूप में तैनात किया गया था। राजनाथ सिंह ने कहा कि 77वां गणतंत्र दिवस संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने का अवसर है। उन्होंने युवाओं से संविधान को समझने और उसमें निहित अधिकारों एवं कर्तव्यों का पालन करने की अपील की। उन्होंने कैडेट्स द्वारा प्रस्तुत गार्ड ऑफ ऑनर लिया और स्किंडिया स्कूल,ग्वालियर के एनसीसी कैडेट्स के बैंड प्रदर्शन की सराहना की उन्होंने 17 निदेशालयों द्वारा तैयार फ्लैग एरिया का दौरा किया और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी देखीं।

मप्र के श्री सत्य साईं विवि में फर्जी डिग्रियों की हकीकत उजागर,राजस्थान एसओजी ने कई दस्तावेज किए जब्त

भोपाल,24 जनवरी 2026। मध्य प्रदेश के सीहोर जिला स्थित श्री सत्य साई विश्वविद्यालय (विवि)एक बड़े फर्जी डिग्री घोटाले के रूप में सामने आया है। राजस्थान एसओजी की टीम ने तीन दिन की जांच में विवि से कई सारे सुबूत एक एकत्र किए हैं, जो इसकी हकीकत का खुलासा करते हैं। राजस्थान की सहायक शिक्षक (पीटीआई) भर्ती प्रक्रिया के दौरान संदेह के आधार पर कुछ अभ्यर्थियों की डिग्रियों की जांच कराई गई थी,जिसमें मप्र कं सीहोर जिला के पुराने इंदौर-भोपाल हाइवे पर स्थित इस विवि से जारी हुईं कई अभ्यर्थियों की बीपीएड डिग्रियां फर्जी पाई गई हैं। यहां पुरानी तारीख में करीब 67 बीपीएड (बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन) की फर्जी डिग्रियां तैयार की गईं,जिनका इस्तेमाल राजस्थान में वर्ष 2020 की शारीरिक शिक्षक (पीटीआई) भर्ती परीक्षा में सरकारी नौकरी हासिल करने के लिए किया गया। इस मामले में बीते बुधवार शाम राजस्थान एसओजी की टीम ने इस विवि परिसर में दबिश दी थी,जो गुरुवार और शुक्रवार देर रात तक जारी रही। टीम ने देर रात तक दस्तावेजों की गहन जांच की और कई अहम सबूत जुटाए। इस कार्रवाई के दौरान हार्ड डिस्क,मार्कशीट,डिग्री से जुड़े रिकॉर्ड और डिजिटल डेटा जब्त किए गए। तीन दिन की पड़ताल में टीम कई सारे अहम सुराग जुटाने में कामयाब रही। राजस्थान पुलिस के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और मामले की जांच कर रहे अधिकारी राजेश मेश्राम ने बताया, 'जांच के दौरान कई संदिग्ध दस्तावेज मिले हैं। विश्वविद्यालय के रिकॉर्ड और हमारे पास उपलब्ध दस्तावेजों में गंभीर विसंगतियां सामने आई हैं। हम कड़ी से कड़ी जोड़कर पूरे नेटवर्क की जांच कर रहे हैं।'

चुनाव आयोग अब लोकतंत्र का रक्षक नहीं वोट चोरी की साजिश में शामिल : राहुल

नई दिल्ली,24 जनवरी 2026। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया, 'जहां-जहां एसआईआर है, वहां-वहां वोट चोरी है। एसआईआर अब एक व्यक्ति,एक वोट के संवैधानिक अधिकार को नष्ट करने का हथियार बन चुका है, जिससे सत्ता का फैसला जनता नहीं भाजपा करे। उन्होंनें शनिवार को एक्स पोस्ट में लिखा...गुजरात में एसआईआर के नाम पर जो किया जा रहा है, वह एक सुनियोजित, संगठित और रणनीतिक वोट चोरी है। चुनाव आयोग इस वोट चोरी की साजिश में प्रमुख सहभागी है। राहुल ने दावा किया कि कांग्रेस को समर्थन देने वाले खास समुदायों और बूथों से चुन-चुनकर वोट हटाए गए। जहां-जहां भाजपा को हार का अंदेशा होता है, वहां मतदाताओं को सिस्टम से ही गायब कर दिया जाता है। राहुल की पोस्ट गुजरात कांग्रेस की एक्स पोस्ट पर आई है। इसमें कहा गया कि राहुल गांधी ने वोटों में हेराफेरी को उजागर किया। इसके बाद से भाजपा ने चुनाव में धांधली का 'नेक्स्ट लेवल मॉडल' अपना लिया है।

सारंडा में नक्सली आत्मसमर्पण करें या कड़े प्रहार के लिए रहें तैयार : डीजीपी

नई दिल्ली,24 जनवरी 2026। झारखंड के दुर्गम सारंडा जंगल क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षा बलों को मिली बड़ी कामयाबी के बाद पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) तदशा मिश्रा ने कहा है कि सारंडा बहुत जल्द पूरी तरह नक्सल मुक्त हो जाएगा। चाईबासा में शनिवार को आयोजित विशेष प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए डीजीपी ने इसे राज्य की आंतरिक सुरक्षा के लिहाज से अबतक की सबसे बड़ी और निर्णायक सफलता करार दिया। डीजीपी तदशा मिश्रा ने बताया कि यह कार्रवाई केवल एक मुठभेड़ तक सीमित नहीं थी, बल्कि नक्सली संगठनों के शीर्ष नेतृत्व और उनके पूरे नेटवर्क पर सीधा और रणनीतिक प्रहार था। खुफिया एजेंसियों से प्राप्त ठोस जानकारी के आधार पर छोटानागरा थाना क्षेत्र के कुमडीह और बहवा इलाकों में सुरक्षा बलों ने व्यापक घेराबंदी की थी।

यूपी दिवस...अमित शाह ने 'जय श्री राम' का जयकारा लगाया

2027 में भी बने यूपी में डबल इंजन की सरकार : शाह

लखनऊ,24 जनवरी 2026। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर यूपी महोत्सव का आगाज हुआ। कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में भाग लेने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह लखनऊ पहुंचे। यूपी दिवस समारोह का आयोजन 24-26 जनवरी तक हो रहा है। यूपी दिवस समारोह का उद्घाटन अमित शाह ने किया। इससे पहले एयरपोर्ट पर सीएम योगी आदित्यनाथ,भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य एवं ब्रजेश पाठक और अन्य नेताओं ने केंद्रीय गृह मंत्री का जोरदार स्वागत किया। इसके बाद अमित शाह राष्ट्र प्रेरणा स्थल पहुंचे। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री ने यूपी चुनाव 2027 का शंखनाद कर दिया।

चुनावी अभियान का किया आगाज

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्र प्रेरणा स्थल से यूपी चुनाव 2027 को लेकर भाजपा के अभियान का आगाज एक प्रकार से कर दिया। उन्होंने कहा कि मैं इस मंच से प्रदेश के लोगों से 2027 में एक बार फिर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का आह्वान करता हूं। साथ ही,सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की उन्होंने जमकर तारीफ की। अमित शाह ने कहा कि केंद्र में पीएम नरेंद्र मोदी और प्रदेश में सीएम योगी आदित्यनाथ शानदार काम कर रहे हैं। यूपी विकास की राह पर बढ़ा है। प्रदेश में लगातार विकास कार्यों को गति दी गई है। एक्सप्रेसवे से लेकर एयरपोर्ट तक के निर्माण हो रहे हैं। जल्द ही प्रदेश पांच इंटरनेशनल एयरपोर्ट वाला राज्य बन जाएगा।

सीएम योगी ने पढ़ा पीएम मोदी का संदेश

सीएम योगी आदित्यनाथ ने यूपी दिवस के मौके पर पीएम नरेंद्र मोदी के बधाई संदेश को पढ़ा। पीएम ने पत्र में लिखा है कि आज उत्तर प्रदेश वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। एक वक्त ऐसा भी था जब दशकों तक प्रोजेक्ट लटकते थे। प्रदेश के लोगों का आत्मविश्वास हिल चुका था, लेकिन आज भाजपा की सरकार में पुराने प्रोजेक्ट पूरे हो रहे हैं।

यह श्रीराम,कृष्ण,शिव,बुद्ध की धरती है...

अमित शाह ने कहा...यह श्रीराम,कृष्ण,शिव,बुद्ध की धरती है। प्रेरणा स्थल पर पहली बार आया हूं। तीन महान विभूतियों की मूर्ति लगी है। योगी,दोनों उप मुख्यमंत्री,सरकार को बधाई। राष्ट्र की जागृत का स्थल बनेगा। यह दशकों तक देश को दिशा देगा। भाजपा सरकार ने कूड़े को कंचन में बदला है। सीएम युवा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 5 जिलों को सम्मानित। युवाओं को ऋण देंगे की व्यवस्था, 1.30 लाख युवाओं को करोड़ों का ऋण दिया है। शुभांशु शुक्ला, अलख पांडेय, सुधांशु सिंह, रश्मि आर्य को सम्मान। हरिओम पंवार को भी सम्मानित करने का मौका मिला है। लंबे समय से सुनता आया हूं। इससे निश्चित लोगों को अच्छा करने का अवसर मिलेगा।

योगी सरकार की ठोंकी पीठ

अमित शाह ने यूपी दिवस कार्यक्रम में योगी सरकार की पीठ ठोकी। उन्होंने कहा कि सवाल उठाया गया था, क्या उत्तर प्रदेश सफल होगा? अमित शाह ने कहा कि मुझे योगी जी ने बताया कि पहले यहां 65 एकड़ में कूड़े का पहाड़ था,जिसे हमने कंचन में बदलकर इस स्थल को विकसित किया है। हर साल एक लाख युवाओं को 5 लाख तक की लोन मुक्त ब्याज मुक्त गारंटी मुक्त लोन देने की एक व्यवस्था हुई है। अब तक एक लाख युवाओं को इसका लाभ मिल चुका है। एक जिला एक व्यंजन कार्यक्रम से भी रोजगार के नए अवसर बनेंगे।

'ऑपरेशन सिंदूर' पर अपने बयान के लिए नहीं मांगूंगा माफी,कभी नहीं छोड़ा पार्टी का रुख : थरूर

नई दिल्ली,24 जनवरी 2026। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शनिवार को कहा कि उन्होंने संसद में कभी भी पार्टी के रुख का उल्लंघन नहीं किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सैद्धांतिक रूप से उनकी एकमात्र सार्वजनिक असहमति ऑपरेशन सिंदूर को लेकर थी। थरूर केरल लिटरेचर फेस्टिवल में आयोजित एक सत्र के दौरान सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर उन्होंने सख्त रुख अपनाया था और वह इस अब भी बिना किसी पछतावे के इस रुख पर कायम हैं।

थरूर को लेकर क्या अटकलें लगाई जा रहीं : उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब इस तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं कि पार्टी नेतृत्व के साथ उनके मतभेद चल रहे हैं। इन अटकलों में यह भी शामिल है कि कोच्चि में हुए एक हालिया कार्यक्रम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से उन्हें पर्याप्त महत्व न दिए जाने और राज्य के नेताओं की ओर से कई बार उन्हें किनारे लगाने की कोशिशों से वे नाराज हैं।

पहलगाम आतंकवादी हमले को लेकर थरूर ने क्या कहा : अपने रुख को स्पष्ट करते हुए थरूर ने कहा कि एक पर्यवेक्षक और लेखक के रूप में उन्होंने पहलगाम की घटना के बाद एक अखबार में लेख लिखा था। उस लेख में उन्होंने कहा था कि बिना सजा दिए इस मामले को नहीं छोड़ा जाना चाहिए और इसके जवाब में सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

अगर भारत मर गया, तो कौन जिएगा : उन्होंने कहा कि जवाहरलाल नेहरू ने ही वह प्रसिद्ध सवाल उठाया था- अगर भारत मर गया, तो कौन जिएगा? थरूर ने कहा, जब भारत की प्रतिष्ठा दांव पर हो, जब भारत की सुरक्षा और दुनिया में उसकी जगह का सवाल हो, तब भारत सबसे पहले आता है। उन्होंने यह भी कहा कि बेहतर भारत के निर्माण की प्रक्रिया में राजनीतिक दलों के बीच मतभेद हो सकते हैं, लेकिन जब राष्ट्रीय हितों की बात हो, तो भारत को सर्वोपरि रखना चाहिए।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता में सुधार,एक्यूआई 192 दर्ज

नई दिल्ली,24 जनवरी 2026। दिल्ली-एनसीआर की वायु गुणवत्ता में निरंतर हो रहे सुधार के चलते शनिवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) का स्तर 200 के नीचे (192) आ गया। इस सुधार के बाद अब एक्यूआई 'मध्यम' श्रेणी में पहुंच गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में आज एक्यूआई 192 दर्ज किया गया। गाजियाबाद का 203, नोएडा का 184, ग्रेटर नोएडा का 170, गुरुग्राम का 225 और फरीदाबाद का एक्यूआई 206 रहा, जो खराब श्रेणी में माना जाता है। राष्ट्रीय राजधानी के कुछ स्थानों का एक्यूआई शुक्रवार की अपेक्षा आज 'बेहद खराब' श्रेणी से घटकर 'खराब' श्रेणी में पहुंच गया। कुछ जगहों का 'खराब' श्रेणी से घटकर 'मध्यम' श्रेणी में दर्ज किया गया है।

डिजिटल अरेस्ट कर 15 करोड़ ठगने के मामले में उप्र,गुजरात,ओडिशा से आठ गिरफ्तार

नई दिल्ली,24 जनवरी 2026। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने डिजिटल अरेस्ट करके बुजुर्गों को डराकर करोड़ों की ठगी करने के मामले में उत्तर प्रदेश,गुजरात और ओडिशा से आठ आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रेटेजिक ऑपरेशंस के पुलिस उपायुक्त विनित कुमार ने शनिवार को बताया कि यह गिरोह कंबोडिया और नेपाल से संचालित हो रहा था। पकड़े गए आरोपितों की पहचान पटेल दिव्यांग (30), शितोले कृतिक (26), अरुण कुमार तिवारी (45), महावीर शर्मा उर्फ नील (27), प्रद्युम्न तिवारी,अंकित मिश्रा,भूपेंद्र कुमार मिश्रा और आदेश कुमार सिंह (36) के रूप में हुयी है। उन्होंने बताया कि 77 वर्षीय पीड़िता को 24 दिसंबर 2025 को एक फोन कॉल आया।

मोक्ष नगरी में अब हर शव का हिसाब,वाराणसी के श्मशान घाटों और कब्रिस्तानों में खुलेगा रजिस्ट्रेशन केंद्र

वाराणसी,24 जनवरी 2026। मोक्ष नगरी काशी में अब अंतिम यात्रा भी रिकॉर्ड में दर्ज होगी। वाराणसी नगर निगम ने श्मशान घाटों और कब्रिस्तानों में शवों की गिनती और पंजीकरण की नई व्यवस्था लागू कर दी है। इसके तहत अब अंतिम संस्कार से पहले शव का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य होगा। इस पहल का उद्देश्य मृत्यु से जुड़े आंकड़ों को व्यवस्थित करना और परिजनों को प्रशासनिक सहूलियत देना है। नगर निगम ने मणिकर्णिका घाट और महाश्मशान हरिश्चंद्र घाट पर 24 घंटे निःशुल्क शव पंजीकरण की सुविधा शुरू की है। हरिश्चंद्र घाट पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की भी व्यवस्था की गई है। इसके अलावा शहर के 12 कब्रिस्तानों में अलग-अलग पंजीकरण केंद्र खोले जाएंगे, जहां दफन किए जाने वाले शवों का पूरा रिकॉर्ड रखा जाएगा।

पंजीकरण में दर्ज होगी पूरी जानकारी : शव पंजीकरण के दौरान मृतक का नाम,पता, आयु, मृत्यु का कारण,परिजनों और गवाहों की जानकारी दर्ज की जाएगी। पंजीकरण के बाद परिजनों को एक रसीद दी जाएगी,जिससे आगे चलकर मृत्यु प्रमाण-पत्र बनवाने की प्रक्रिया आसान हो जाएगी। नगर निगम के मुताबिक बिना पंजीकरण के शवदाह या दफन की अनुमति नहीं दी जाएगी। बताया जा रहा है कि दशकों पहले महाश्मशान में शवों के पंजीकरण की व्यवस्था थी, जो 90 के दशक में बंद हो गई थी। अब नगर निगम ने इसे नए और आधुनिक रूप में फिर से शुरू किया है।

संपादकीय

जन सुरक्षा की घातक अनदेखी

नोएडा में इंजीनियर युवराज मेहता की कार कोहरे के कारण पानी भरे बेसमेंट में गिरने से हुई मौत ने प्रशासनिक लापरवाही और जन सुरक्षा की अनदेखी को उजागर किया है। लगभग 90 मिनट तक जीवित रहने के बावजूद,बचाव दल की अक्षमता के कारण उन्हें बचाया नहीं जा सका। यह घटना शहरी निकायों, विकास एजेंसियों और आपातकालीन सेवाओं की गहरी असंवेदनशीलता को दर्शाती है,जो देश भर में सुरक्षा मानकों की अनदेखी करती हैं...

नोएडा में 27 साल के इंजीनियर युवराज मेहता की मौत न किसी युद्धभूमि पर हुई,न किसी प्राकृतिक आपदा में,बल्कि उस सामान्य सड़क के किनारे पर हुई, जिस पर हम रोज बेफिक्री से सफ़र करते हैं। इस युवा की कार कोहरे के कारण एक निर्माणाधीन माल के पानी भरे में बेसमेंट में जा गिरी और तमाम लोगों की उपस्थिति में उसकी उसमें डूबने से मौत हो गई।

यह घटना हमारे नगर निकायों,विकास एजेंसियों और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणालियों की गहरी असंवेदनशीलता को उजागर करती है। हादसे के बाद युवराज लगभग 90 मिनट तक जीवित था। उसकी कार एक गड्ढेनुमा बेसमेंट में इसलिए जा गिरी, क्योंकि उसे बिना बैरिकेड,चेतावनी बोर्ड, रोशनी या रिफ्लेक्टर के खुला छोड़ दिया गया था। ठंडे पानी में वह अकेला संघर्ष करता रहा और मदद की गुहार लगाता रहा। उसके पिता भी मौके पर पहुंचे और बचाव दल के कर्मचारी भी, पर वे लगभग दो घंटे तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं कर सके।

कभी ठंडे पानी का हवाला दिया, तो कभी उपकरणों की कमी का बहाना बनाया। युवराज प्रशासनिक लापरवाही का शिकार हुआ। ऐसी घटनाओं पर जन आक्रोश स्वाभाविक है। ये अलग-थलग घटनाएं नहीं हैं। ये एक गहरी और लगातार बनी रहने वाली प्रणालीगत विफलता के लक्षण हैं। ऐसे खतरे हर शहर में मौजूद हैं, बस तब तक अनदेखे रहते हैं, जब तक किसी की जान नहीं चली जाती। किसी भी त्रासदी को समझने के लिए उसके पहले की लापरवाही की श्रृंखला को देखना जरूरी है। नोएडा में जिस गड्ढे में युवराज की कार गिरी,वहां पहले भी सड़क किनारे कटाव और पानी भरने को लेकर चेतावनियां दी गई थीं। फिर भी कुछ नहीं किया गया। न बैरिकेड थे,न चेतावनी संकेत और न ही पर्याप्त रोशनी, जबकि ये बुनियादी सुरक्षा उपाय हैं।

देश भर में शहरी विकास प्राधिकरण,नगर निगम और लोक निर्माण विभाग सुरक्षा मानकों की अनदेखी करते दिखाई देते हैं। खुले नाले,बिना ढकी सीवर लाइनें,सड़क किनारे खुदाई और गड्ढे आम हो चुके हैं। सड़कों पर पड़ी निर्माण सामग्री यातायात को संकरा भी करती है और रात में गंभीर खतरा भी पैदा करती है। स्थिति तब और गंभीर हो जाती है, जब सड़कें महीनों तक खोदकर छोड़ दी जाती हैं और निर्माण सामग्री बिना रिफ्लेक्टर के बिखरी रहती है। कम रोशनी में वह दिखती नहीं।

ये व्यवस्थागत विफलताएं हैं,जिन्हें हम तब तक अनदेखा करते रहते हैं, जब तक कोई बड़ा हादसा न हो जाए। इस स्थिति के लिए केवल सरकारी एजेंसियां जिम्मेदार नहीं। बिल्डर सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करते हैं,खनन माफिया ओवरलोडेड वाहनों से सड़कों को नुकसान पहुंचाते हैं और छोटे ट्रक भार सीमा की अनदेखी करते हैं। मुनाफे को मानव जीवन से ऊपर रखा जाता है।

जीना हराम करती फोन कॉल मार्केटिंग

डॉ. सत्यवान सौरभ,
बड़वा भिवानी,हरियाणा

मोबाइल फोन कभी सुविधा,सुरक्षा और संपर्क का सबसे सशक्त माध्यम माना जाता था। इसने दूरी को कम किया,आपात स्थितियों में जीवन बचाया और संवाद को सहज बनाया। लेकिन समय के साथ यही मोबाइल फोन लाखों लोगों के लिए तनाव,झुंझलाहट और मानसिक अशांति का कारण बनता जा रहा है। इसकी सबसे बड़ी वजह है बेलगाम फोन कॉल मार्केटिंग,जिसने आम आदमी का जीना हराम कर दिया है। दिन की शुरुआत अक्सर किसी अनजान नंबर की कॉल से होती है। नींद खुलते ही फोन की घंटी बजती है और सामने से कोई लोन ऑफर कर रहा होता है,कोई बीमा पॉलिसी,कोई क्रेडिट कार्ड या फिर निवेश का कोई सीमित समय वाला प्रस्ताव। दफ्तर की मीटिंग हो, ऑनलाइन क्लास चल रही हो या घर में कोई जरूरी बातचीत–फोन कॉल मार्केटिंग को न समय की समझ है, न परिस्थिति की। पूछने पर वही रटा-रटाया जवाब मिलता है–सर/मैडम,बस दो मिनट। लेकिन यही दो मिनट कब दिन के कई हिस्से निगल जाते हैं, पता ही नहीं चलता।

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि कॉल करने वालों के पास हमारा मोबाइल नंबर आता कहाँ से है। हमने न तो उन्हें व्यक्तिगत रूप से नंबर दिया, न ही किसी सेवा के लिए स्पष्ट अनुमति दी, फिर भी वे पूरे आत्मविश्वास के साथ बात करते हैं। कई बार तो वे हमारा नाम,पेशा और जरूरतें तक जानते हैं। यह स्थिति केवल कॉल मार्केटिंग की समस्या नहीं है,बल्कि व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा और निजता के खुले उल्लंघन का संकेत है। आज के डिजिटल दौर में मोबाइल नंबर केवल संपर्क का साधन नहीं, बल्कि एक व्यापारिक वस्तु बन चुका है। सरकार और नियामक संस्थाओं ने नियम बनाए हैं,डू नॉट डिस्टर्ब जैसी सेवाएँ शुरू की गई हैं, लेकिन व्यवहार में इनका असर बेहद सीमित दिखाई देता है। डीएनडी में नंबर दर्ज होने के बावजूद कॉल्स आती रहती हैं। शिकायत करने पर प्रक्रिया इतनी जटिल और लंबी होती है कि आम व्यक्ति हताश होकर चुप रह जाना ही बेहतर समझता है। यही हताशा इस समस्या को और बढ़ावा देती है।

फोन कॉल मार्केटिंग का असर केवल समय की बर्बादी तक सीमित नहीं है। यह धीरे-धीरे मानसिक तनाव और चिड़चिड़ेपन को जन्म देती है। हर अनजान नंबर को देखकर मन में आशंका पैदा होती है–कहीं फिर कोई फालतू कॉल तो नहीं। जरूरी कॉल छूट जाने का डर अलग से बना रहता है। यह असमंजस व्यक्ति की मानसिक शांति को गहराई से प्रभावित करता है। कई लोग तो लगातार आने वाली कॉल्स से इतने परेशान हो जाते हैं कि मोबाइल फोन से ही चिढ़ होने लगती है।

बुजुर्गों और कम तकनीकी समझ रखने वाले लोगों के लिए यह समस्या और भी गंभीर है। वे अक्सर इन कॉल्स में उलझ जाते हैं और कई बार ठगी का शिकार हो जाते हैं। निवेश,इनाम,

केवाईसी अपडेट या बैंक खाते से जुड़े झूठे बहानों के जरिए लाखों रुपये की ठगी की घटनाएँ सामने आती रहती हैं। कॉल मार्केटिंग और फ्रॉड कॉल्स के बीच की सीमा अब इतनी धुंधली हो चुकी है कि आम व्यक्ति के लिए फर्क करना कठिन हो गया है।

समय जीवन की सबसे मूल्यवान संपत्ति है,लेकिन कॉल मार्केटिंग इस संपत्ति का खुला अपमान करती है। सुबह जल्दी या रात देर तक आने वाली कॉल्स इस बात का प्रमाण हैं कि नियम केवल कागजों तक सीमित रह गए हैं। कामकाजी लोगों के लिए यह समस्या और भी विकट है। मीटिंग के बीच बजता फोन न केवल ध्यान भंग करता है, बल्कि पेशेवर छवि को भी नुकसान पहुँचाता है। फोन साइलेंट पर रखने से जरूरी कॉल्स छूटने का खतरा बना रहता है,और न रखने पर अनचाही कॉल्स की झंझट।

यहाँ यह समझना भी जरूरी है कि कॉल करने वाला व्यक्ति हर बार दोषी नहीं होता। टेलीमार्केटिंग कंपनियों में काम करने वाले कर्मचारी अक्सर भारी दबाव में होते हैं। उन्हें प्रतिदिन तय संख्या में कॉल करनी होती हैं, लक्ष्य पूरा न होने पर नौकरी जाने का डर बना रहता है। कम वेतन और अस्थिर भविष्य उन्हें इस काम से बँधे रहने को मजबूर करता है। वे एक तय स्क्रिप्ट के अनुसार बात करते हैं,चाहे सामने वाला कितना ही नाराज़ क्यों न हो।

लेकिन इन कर्मचारियों की मजबूरी के पीछे असली जिम्मेदारी उस व्यवस्था की है,जो मुनाफे के लिए इंसान की निजता,समय और मानसिक शांति को कुचल देती है। कंपनियाँ जानती हैं कि सौ में से यदि एक व्यक्ति भी उनके जाल में फँस जाए,तो उनका उद्देश्य पूरा हो जाता है। यही कारण है कि कॉल मार्केटिंग एक संगठित उद्योग का रूप ले चुकी है,जहाँ नैतिकता और संवेदन शीलता की कोई खास जगह नहीं।

भारत जैसे देश में टेलीमार्केटिंग को नियंत्रित करने के लिए नियम-कानून मौजूद हैं,लेकिन उनके प्रभावी क्रियान्वयन की भारी कमी है। जुर्माने और प्रतिबंधों की बातें तो होती हैं, पर ज़मीनी स्तर पर बदलाव कम ही दिखता है। कई कॉल्स इंटरनेट कॉलिंग या विदेशी नंबरों से आती हैं, जिन पर स्थानीय नियमों का असर नहीं पड़ता। तकनीक का यह दुरुपयोग समस्या को और जटिल बना देता है।

इस समस्या का असर सामाजिक रिश्तों पर भी पड़ रहा है। बार-बार परेशान होने वाला व्यक्ति स्वभाव से चिड़चिड़ा हो जाता है,जिसका प्रभाव परिवार और कार्यस्थल दोनों पर दिखता है। बच्चों के साथ समय बिताते हुए या बुजुर्गों से बात करते समय अचानक बजता फोन माहौल को खराब कर देता है। धीरे-धीरे लोग अनजान कॉल्स उठाना ही बंद कर देते हैं,जिसके कारण कभी-कभी जरूरी और आपात कॉल्स भी मिस हो जाती हैं।

डिजिटल युग ने हमें अभिव्यक्ति की आज़ादी और सुविधाओं की भरमार दी है, लेकिन इसके साथ जिम्मेदारी और नियंत्रण भी उतने ही जरूरी हैं। जब तकनीक जीवन को आसान बनाने के बजाय तनावपूर्ण बना दे,तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि हम किस दिशा में जा रहे हैं। बिना पढ़े ऐप्स को अनुमति देना,हर वेबसाइट पर मोबाइल नंबर साझा करना और गोपनीयता की शर्तों को नजरअंदाज करना–ये सब आदतें मिलकर कॉल मार्केटिंग की समस्या को बढ़ावा देती हैं।

समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाना अब अनिवार्य हो गया है। व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी और इसके उल्लंघन पर सख्त सज़ा सुनिश्चित करनी होगी। डीएनडी जैसी प्रणालियों को वास्तविक अर्थों में प्रभावी बनाना होगा, ताकि उपभोक्ता को राहत मिल सके। बार-बार नियम तोड़ने वाली कंपनियों पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए, केवल चेतावनी नहीं।

साथ ही,उपभोक्ताओं को भी जागरूक होना होगा। अनावश्यक ऐप्स को अनुमति न देना,संदिग्ध कॉल्स से सावधान रहना और ठगी की घटनाओं की शिकायत दर्ज कराना–ये छोटे लेकिन महत्वपूर्ण कदम हैं। जागरूक उपभोक्ता ही इस व्यवस्था को जवाबदेह बना सकता है।

अंततः यह समझना होगा कि फोन कॉल मार्केटिंग केवल एक व्यावसायिक गतिविधि नहीं रही,बल्कि यह एक गंभीर सामाजिक समस्या बन चुकी है। यह हमारी निजता पर हमला करती है,समय की बर्बादी करती है और मानसिक शांति छीन लेती है। तकनीक का उद्देश्य जीवन को सरल, सुरक्षित और बेहतर बनाना होना चाहिए,न कि उसे हराम करना। जब तक व्यवस्था,कंपनियाँ और उपभोक्ता–तीनों मिलकर अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाएँगे, तब तक यह समस्या यूँ ही आम आदमी का जीना हराम करती रहेगी।

कन्यादान नहीं,सम्मान चाहिए...

डॉ. प्रियंका सौरभ
हिसार,हरियाणा

विश्व बालिका दिवस मनाया गया। देश और दुनिया में इस अवसर पर अनेक कार्यक्रम,संगोष्ठियाँ और प्रतीकात्मक आयोजन हुए। मंचों से बालिकाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तीकरण की बातें कही गईं। लेकिन यह प्रश्न बार-बार सामने आता है कि क्या किसी एक दिवस का आयोजन वास्तव में उस गहरी सामाजिक समस्या का समाधान कर सकता है,जो पीढ़ियों से बालिकाओं के जीवन को प्रभावित करती आ रही है। सम्मान किसी कैलेंडर की तारीख से तय नहीं होता,बल्कि वह समाज के दैनिक व्यवहार,सोच और निर्णयों में परिलक्षित होता है।

भारतीय समाज में बालिका को लेकर एक विचित्र विरोधाभास दिखाई देता है। एक ओर उसे देवी,शक्ति और लक्ष्मी का रूप कहकर पूजनीय माना जाता है,दूसरी ओर उसी बालिका के जीवन पर सबसे अधिक नियंत्रण और प्रतिबंध लगाए जाते हैं। जन्म से पहले चयन,जन्म के बाद भेदभाव और बड़े होते-होते अपेक्षाओं का बोझ–यह सब उसकी नियति का हिस्सा बना दिया जाता है। पूजा और अधिकार के बीच की यह दूरी यह स्पष्ट करती है कि हमारे सामाजिक मूल्यों में अभी भी गहरी असंगति मौजूद है।

बालिका के जीवन में असमानता केवल व्यवहार तक सीमित नहीं रहती,बल्कि वह भाषा,परंपराओं और संस्कारों के माध्यम से भी पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ती है। इन्हीं परंपराओं में एक महत्वपूर्ण और संवेदन शील शब्द है–कन्यादान। दान का अर्थ है किसी वस्तु को सौंप देना,लेकिन बेटी कोई वस्तु नहीं है। वह एक स्वतंत्र व्यक्तित्व है, जिसकी अपनी चेतना,इच्छा और भविष्य है। ऐसे में विवाह के समय उसका दान किया जाना न केवल भाषा की समस्या है, बल्कि सोच की भी गंभीर समस्या है।

विवाह भारतीय समाज में एक महत्वपूर्ण सामाजिक संस्कार माना जाता है। लेकिन संस्कार वही सार्थक होता है,जो समानता और सहमति पर आधारित हो। कन्यादान की अवधारणा पिता को दाता और बेटी को दान बना देती है,जिससे असमानता का भाव स्वतः स्थापित हो जाता है। इसके विपरीत पाणिग्रहण जैसी अवधारणा साझेदारी और स्वीकार का भाव देती है। समय की माँग है कि समाज भाषा के साथ-साथ उस सोच पर भी पुनर्विचार करे, जो इन शब्दों के पीछे छिपी हुई है।

दुःखद तथ्य यह है कि आज भी देश के अनेक हिस्सों में बालिकाओं से उनके जीवन के सबसे महत्वपूर्ण निर्णयों में औपचारिक रूप से भी राय नहीं ली जाती। शिक्षा,विवाह और करियर जैसे विषयों पर अंतिम निर्णय परिवार या समाज द्वारा लिया जाता है। बालिका से अपेक्षा की जाती है कि वह परिस्थितियों को स्वीकार करे और चुपचाप निभाए। यह चुप्पी धीरे-धीरे उसके जीवन का स्थायी हिस्सा बन जाती है और संघर्ष का रूप ले लेती है।

बालिका का संघर्ष बचपन से ही आरंभ हो जाता है। कभी संसाधनों की कमी के रूप में,कभी सुरक्षा के नाम पर लगाए गए प्रतिबंधों के रूप में। उसे हर चरण पर स्वयं को सिद्ध करना पड़ता है,फिर भी उस पर संदेह किया जाता है। समाज उससे त्याग, सहनशीलता और समर्पण की अपेक्षा करता है, लेकिन बदले में उसे समान अधिकार देने से कतराता है। यह असंतुलन ही असली समस्या की जड़ है।

अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि बेटियाँ परिवार की इज़्ज़त होती हैं। लेकिन इस इज़्ज़त की कीमत अधिकांश मामलों में उनकी स्वतंत्रता से चुकाई जाती है। इज़्ज़त किसी एक व्यक्ति के कंधों पर नहीं टाली जा सकती। वह सामूहिक आचरण,नैतिकता और समानता से बनती है। किसी की आज़ादी सीमित करके समाज अपनी गरिमा नहीं बचा सकता,बल्कि उसे और कमजोर ही करता है।

बालिका दिवस के अवसर पर कन्या पूजन और सम्मान की बातें बड़े स्तर पर की जाती हैं। लेकिन वास्तविक सम्मान पूजा की थाली से नहीं,बल्कि समान अवसरों से मिलता है। जब बालिका को पढ़ने,आगे बढ़ने और अपने सपने चुनने की स्वतंत्रता मिले,तभी सम्मान का अर्थ सार्थक होगा। जब उसकी 'ना' को भी उतनी ही गंभीरता से लिया जाएगा,जितनी 'हाँ' को,तभी उसे सशक्त कहा जा सकेगा।

यह स्वीकार करना होगा कि केवल कानून और योजनाएँ पर्याप्त नहीं हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा को लेकर अनेक नीतियाँ बनाई गई हैं,लेकिन सामाजिक सोच में परिवर्तन के बिना उनका प्रभाव सीमित रह जाता है। जब तक परिवार और समाज अपनी मानसिकता नहीं बदलते,तब तक वास्तविक परिवर्तन संभव नहीं है। सामाजिक सुधार का आरंभ घर से होता है, न कि केवल मंच और भाषण से।

आज आवश्यकता इस बात की है कि बालिका को दया या संरक्षण की दृष्टि से न देखा जाए। उसे कमज़ोर नहीं,बल्कि समान और सक्षम नागरिक के रूप में स्वीकार किया जाए। उसके अधिकारों को अनुग्रह नहीं, बल्कि संवैधानिक हक़ के रूप में समझा जाए। बालिका दिवस का उद्देश्य भावनात्मक अपील नहीं,बल्कि व्यवहारिक बदलाव होना चाहिए।

समाज को यह आत्ममंथन करना होगा कि क्या वह वास्तव में बालिकाओं को बराबरी का जीवन दे पा रहा है। क्या घरों में, स्कूलों में और कार्यस्थलों पर बेटियों को वही सम्मान और अवसर मिल रहे हैं,जो बेटों को मिलते हैं। यदि उत्तर नकारात्मक है, तो बालिका दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन बनकर रह जाएगा।

अंततः यह स्पष्ट है कि बालिकाएँ किसी एक दिवस की प्रतीक नहीं हैं। वे समाज और राष्ट्र का वर्तमान भी हैं और भविष्य भी। कन्यादान की मानसिकता से बाहर निकलकर कन्या-स्वाधिकार को अपनाना ही एक संवेदनशील और आधुनिक समाज की पहचान है।

300 आवारा कुत्तों को जहरीले इंजेक्शन देकर मारने का मामला गरम

सुभाष बुड़ावन वाला
रतलाम,मध्यप्रदेश

तेलंगाना के जगतियाल जिले के पेगडापल्ली गांव में करीब 300 आवारा कुत्तों को जहरीले इंजेक्शन देकर मार दिया जाना केवल एक गांव की घटना नहीं,बल्कि हमारी सामूहिक संवेदनहीनता का भयावह प्रतीक है। इससे पहले याचारम गांव में लगभग 100 और कामारेड्डी,श्यामपेट व अरेपल्ली जैसे इलाकों में सैकड़ों आवारा कुत्तों की हत्या की खबरें सामने आ चुकी हैं। जनवरी के पहले सप्ताह से अब तक राज्य में 900 से अधिक आवारा कुत्तों के मारे जाने की बात सामने आना यह बताता है कि समस्या को समाधान के बजाय हिंसा से दबाने की प्रवृत्ति बढ़ रही है।

इस मामले में गांव के सरपंच और ग्राम पंचायत सचिव के खिलाफ एफआईआर दर्ज होना स्वागतयोग्य है,लेकिन यह सवाल भी उठता है कि क्या केवल कुछ लोगों पर कार्रवाई से यह सिलसिला रुकेगा। भारतीय आवारा पशु फाउंडेशन और अन्य पशु अधिकार संगठनों की शिकायतों से स्पष्ट है कि ये

हत्याएं किसी आकस्मिक स्थिति में नहीं,बल्कि सुनियोजित तरीके से की गईं। जबकि भारत में पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 के तहत किसी भी पशु को अनावश्यक पीड़ा देना या मारना अपराध है और सुप्रीम कोर्ट भी कई मामलों में यह स्पष्ट कर चुका है कि आवारा कुत्तों को मारना समाधान नहीं है। कोर्ट ने एनिमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) नियमों को लागू करने, नसबंदी और टीकाकरण के जरिए आबादी नियंत्रण पर जोर दिया है,न कि हत्या पर।

वैज्ञानिक तथ्य भी बताते हैं कि किसी क्षेत्र से कुत्तों को मारकर हटाने से वहां कुछ समय बाद नए कुत्ते आ जाते हैं और समस्या जस की तस बनी रहती है,जबकि एबीसी कार्यक्रम से आक्रामकता और रेबीज जैसी बीमारियों का खतरा घटता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी रेबीज नियंत्रण के लिए टीकाकरण और मानवीय प्रबंधन को ही प्रभावी तरीका मानता है। भारत की सांस्कृतिक परंपरा में कुत्तों का स्थान केवल एक पशु का नहीं, बल्कि विश्वास और साथ का रहा है, महाभारत में युधिष्ठिर का कुत्ते के साथ स्वर्ग तक जाना इस बात का प्रतीक है कि बेजुबान प्राणियों के प्रति करुणा को सर्वोच्च नैतिक मूल्य माना गया है।

इसके बावजूद भय, अफवाहों और प्रशासनिक लापरवाही के कारण निर्दोष जानवरों की निर्मम हत्या कर दी जाती है। सरकार और स्थानीय निकायों की जिम्मेदारी है कि वे स्थायी शेल्टर होम बनाएं,भोजन और चिकित्सा की व्यवस्था करें, नियमित नसबंदी और टीकाकरण अभियान चलाएं तथा लोगों में जागरूकता फैलाएं कि आवारा कुत्ते स्वभाव से हिंसक नहीं होते, बल्कि उपेक्षा और अत्याचार उन्हें आक्रामक बनाता है। कानून का सख्ती से पालन, दोषियों को दंड और मानवीय समाधान ही इस समस्या का रास्ता है, क्योंकि सभ्यता की पहचान कमजोर और बेजुबानों के साथ हमारे व्यवहार से होती है, और आवारा कुत्तों की यह निर्मम हत्या किसी भी दृष्टिकोण से न तो उचित है और न ही स्वीकार्य।

मुख्यधारा के विकास से जुड़तीं महिलाएं,माइक्रो फाइनेंस ने शिक्षा,स्वास्थ्य और बचत को भी बढ़ावा दिया

डॉ. आलोक मिश्रा

संप्रति महिलाओं के माध्यम से एक प्रभावी आर्थिक क्रांति आकार ले रही है। लाखों महिलाएं सिलाई,खाद्य प्रसंस्करण,पशुपालन,स्थानीय व्यापार और हस्तशिल्प जैसे छोटे,अनौपचारिक उद्यमों से अपनी आजीविका चला रही हैं। यह उनका पहला स्थायी और स्वतंत्र आय का स्रोत बनता है। इस परिवर्तन में माइक्रोफाइनेंस ने एक निर्णायक भूमिका निभाई है।

बिना गारंटी वाले ये छोटे कर्ज,जो घर की दहलीज पर ही आसान किस्तों पर उपलब्ध हैं,महिलाओं की आजीविका और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने, परिवार की आय को सुदृढ़ करने और अर्थव्यवस्था में सक्रिय भागीदारी करने में सक्षम बनाते हैं। इन महिलाओं के लिए माइक्रोफाइनेंस केवल वित्तीय सहायता नहीं,बल्कि सम्मानजनक आजीविका का माध्यम और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने वाली एक जीवनरेखा बनकर उभरा है।

एक ऐसे दौर में जब तमाम प्रयासों के बीच ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारत में पारंपरिक बैंकों की पहुंच अब भी कुछ अपेक्षाकृत रूप से सीमित है, तब इस स्थिति में माइक्रोफाइनेंस एक वरदान बनकर उभरा है। आज माइक्रोफाइनेंस भारत के दूर-दराज वाले इलाकों तक गहराई से अपनी पैठ बना चुका है। यह देश के 720 जिलों में लगभग 7.5 करोड़ ऐसे लोगों को अपनी वित्तीय सेवाओं का लाभ दे रहा है, जिस तबके के लोगों की आय कम है।

इनमें देश के 112 आकांक्षी जिले भी शामिल हैं। इन लाभार्थियों में लगभग 100 प्रतिशत महिलाएं हैं,जिनके लिए माइक्रोफाइनेंस औपचारिक ऋण प्रणाली से जुड़ाव की पहली कड़ी बन गई है। इसने

आर्थिक पिरामिड के सबसे निचले स्तर तक औपचारिक वित्त को पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस दृष्टि से यह कहना उचित होगा कि माइक्रोफाइनेंस वित्तीय समावेशन का सशक्त स्तंभ बनकर उभरा है। माइक्रोफाइनेंस के माध्यम से ऋण प्राप्त करने वाले अधिकांश लोग पहली पीढ़ी के उद्यमी होते हैं,जिनके व्यवसाय समय के साथ धीरे-धीरे विकसित होते हैं। प्रारंभिक ऋण जोकि 30,000 से 50,000 के बीच होता है,उसका उपयोग बुनियादी उपकरण खरीदने में किया जाता है। अगले चरण के ऋण चक्र आय के स्रोतों में विविधता और उत्पादन विस्तार को संभव बनाते हैं। तयशुदा किस्तें वित्तीय अनुशासन को बढ़ावा देती हैं और नियमित आय परिवारों को अस्थायी मजदूरी की अनिश्चितता से बाहर निकालने में सहायक होती है। यह परिवर्तन केवल अनुभवजन्य नहीं,बल्कि संरचनात्मक भी है।

वर्ष 2021 में एनसीएईआर के एक अध्ययन के अनुसार माइक्रोफाइनेंस का भारत की अर्थव्यवस्था में योगदान कुल सकल मूल्य वर्धन का लगभग 2.03 प्रतिशत है और यह लगभग 1.30 करोड़ लोगों को रोजगार प्रदान करने में सहायक बना है। इससे स्पष्ट है कि माइक्रोफाइनेंस आज वर्तमान भारत की आर्थिक संरचना का एक महत्वपूर्ण घटक बन चुका है। माइक्रोफाइनेंस परिदृश्य पर आरबीआइ द्वारा विनियमित संस्थाएं सख्त दिशानिर्देशों,फेयर प्रैक्टिसेज कोड और उद्योग की आचार संहिता के तहत जिम्मेदार ऋण प्रथाओं का पालन करती हैं, जिससे महिला उधारकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

आरबीआइ के अनुसार किसी उधारकर्ता की कुल माइक्रोफाइनेंस ऋण चुकौती उसकी घरेलू आय के 50 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकती। इसके साथ ही आरबीआइ द्वारा मान्यता प्राप्त स्व-नियामक संगठन माइक्रोफाइनेंस इंडस्ट्री नेटवर्क यानी एमएफआइएन द्वारा निर्धारित प्रविधान भी लागू होते हैं। इसमें उधार की सीमा को निर्धारित कर ऋण जोखिम को कम किया जाता है। इसके साथ ही त्रिस्तरीय शिकायत निवारण प्रणाली भी मौजूद है, जिसमें एमएफआइएन दूसरे स्तर की व्यवस्था को चौबीसों घंटे संचालित करता है। ये सभी सुरक्षा प्रविधान जवाबदेही सुनिश्चित करते हैं। उधारकर्ताओं की रक्षा करते हैं और समग्र सेक्टर की दीर्घकालिक स्थिरता को मजबूती प्रदान करते हैं। इसके बावजूद अपने प्रमाणित प्रभाव के बावजूद माइक्रोफाइनेंस सेक्टर इस समय गंभीर नकदी संकट से जूझ रहा है। इसके कारण करीब 50 लाख जरूरतमंद औपचारिक ऋण व्यवस्था से बाहर हो गए हैं। इससे उनके फिर से साहूकारों और बिना नियमन वाली अनौपचारिक ऋण व्यवस्थाओं के शिकंजे में फंसने का जोखिम बढ़ गया है। ऐसे में, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को महंगे कर्ज के दुष्चक्र में फंसने से बचाने के लिए संगठित और विनियमित माइक्रोफाइनेंस में औपचारिक वित्त का प्रवाह बनाए रखना आवश्यक हो गया है।

ट्रंप के सामने डटकर खड़े होना होगा

निकोलस क्रिस्टोफ

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एक खासियत यह है कि वे कमजोर पहलुओं को निशाना बनाने में पीछे नहीं रहते और दृढ़ता के समक्ष ठिठक जाते हैं। यूरोप आज जिन समस्याओं से दो चार है, उनका एक प्रमुख कारण यही है कि लंबे समय से वह पूर्व में रूस तो पश्चिम की ओर से दस्तक दे रही चुनौतियों के प्रति बेपरवाह रहा। ट्रंप यही मानते हैं कि यूरोपीय नेता कमजोर हैं। उन्होंने यूरोपीय नेताओं को टैरिफ की धमकी दी तो वे उनके सामने झुक भी गए। इसे अपने लिए मौका समझते हुए ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर कब्जे और एक तरह से नाटो को समाप्त करने का शिगूफा छेड़ा और यूरोप को चेताया कि अगर इस राह में अवरोध खड़ा किया तो नए व्यापार युद्ध के लिए तैयार रहें। दावोस में यूरोपीय प्रतिरोध पर प्रतिक्रिया के बीच ग्रीनलैंड के मुद्दे पर उन्होंने यही कहा कि उसे हासिल करने के लिए वे बल प्रयोग नहीं करेंगे। हालांकि हाल-फिलहाल उन्होंने नए टैरिफ को भी अभी टालने के संकेत ही दिए हैं। इससे कुछ दिन पहले ही उन्होंने एक नक्शे में ग्रीनलैंड, कनाडा और वेनेजुएला को अमेरिका का हिस्सा दिखाया था। ग्रीनलैंड पर ट्रंप के प्रलाप ने अंततः विश्व नेताओं को अमेरिकी खतरे के प्रति जागरूक करने का काम तो किया है। इसी संदर्भ में बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी. वेवर ने कहा, 'अब तक हमने व्हाइट हाउस में नए राष्ट्रपति की संतुष्टि के लिए पूरे प्रयास किए। यहां तक कि टैरिफ के मामले में भी हम इस उम्मीद से उदार रहे कि चलो यूक्रेन युद्ध में उनकी मदद हासिल होगी।' अब ऐसी उम्मीदें निराशा में बदलती जा रही हैं। वेवर के कहने का आशय यही है कि अब सभी लक्ष्मण रेखाएं लांघी जा रही हैं और समझना चाहिए कि खुशी-खुशी किसी के खेमे में रहना और दयनीय दशा वाले गुलाम वाली स्थिति में जमीन-आसमान का फर्क है। पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने भी कहा कि तुष्टीकरण केवल कमजोरी का संकेत है। उनका कहना है कि यूरोप कमजोर होना गवारा नहीं कर सकता, अपने सहयोगियों और न ही विरोधियों के सामने। वे मानते हैं कि तुष्टीकरण का कोई परिणाम नहीं मिलता और केवल अपमान एवं उत्पीड़न झेलना पड़ता है।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

पीजी कॉलेज ग्राउण्ड में जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह का हुआ फाइनल रिहर्सल

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा होंगे समारोह के मुख्य अतिथि

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने समारोह के सफल आयोजन हेतु लिया तैयारियों का जायजा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

जिले में गणतंत्र दिवस 2026 समारोह का आयोजन पीजी कॉलेज ग्राउण्ड अम्बिकापुर में किया जाएगा। जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के उप मुख्यमंत्री तथा गृह एवं जेल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास,विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग मंत्री श्री विजय शर्मा ध्वजारोहण करेंगे व परेड की सलामी लेंगे। समारोह का फाइनल रिहर्सल शनिवार को पीजी कॉलेज ग्राउंड में सम्पन्न हुआ। तैयारियों का जायजा लेते हुए कलेक्टर श्री अजीत वसंत और पुलिस अधीक्षक श्री राजेश अग्रवाल ने संयुक्त रूप से गणतंत्र दिवस मुख्य समारोह के फाइनल रिहर्सल का निरीक्षण किया।

फायनल रिहर्सल में समारोह के मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम का अभ्यास किया गया। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक ने मुख्य अतिथि की भूमिका निभाई और राष्ट्रीय ध्वज फहराकर सलामी दी। परेड कमांडर द्वारा मुख्य अतिथि को परेड निरीक्षण हेतु रिपोर्ट किया गया। तत्पश्चात् मुख्य अतिथि ने जीप में सवार होकर परेड का निरीक्षण किया। परेड निरीक्षण के पश्चात् मुख्य अतिथि ने मुख्यमंत्री के संदेश का प्रतीकात्मक वाचन किया। इस दौरान पुलिस के जवानों द्वारा राष्ट्रगान के धुन पर हर्ष फायर किया गया। पुलिस के जवानों, एनसीसी और स्काउट गाइड के छात्र-छात्राओं ने पूर्ण गणवेश में मार्च पास्ट किया। परेड के मार्च पास्ट के पश्चात् मुख्य अतिथि के साथ परेड कमाण्डरों का परिचय एवं ग्रुप फोटो का आयोजन किया गया। स्कूली बच्चों ने देशभक्ति गीतों पर आधारित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

कलेक्टर एवं एसपी ने वीवीआईपी, वीआईपी, शहीदों के परिजनों, मीडिया तथा आमजनों के बैठक व्यवस्था, प्रवेश, वाहन पार्किंग आदि की जानकारी ली और संबंधितों को बेहतर व्यवस्था हेतु निर्देशित किया गया। उन्होंने उपस्थित विभिन्न विभाग के अधिकारियों को समारोह को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही आवश्यक स्वास्थ्य सुविधा और सुरक्षा व्यवस्था स्थल पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एक्शन रिसर्च पर तीन दिवसीय कार्यशाला संपन्न

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अंबिकापुर में 'मुहिम फाउंडेशन फॉर पार्टिसिपेटरी एक्शन एंड ट्रांसफॉर्मेशन' के सहयोग से 'एक्शन रिसर्च सर्टिफिकेट कोर्स' पर तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यशाला महाविद्यालय के सोशल इनोवेशन एवं कम्युनिटी एंगेजमेंट सेल द्वारा प्रस्तावित प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम का हिस्सा है। युवा छात्रों को उनके समुदायों में सार्थक परिवर्तन लाने हेतु व्यावहारिक शोध कौशल से लैस करने के लिए डिज़ाइन इस कार्यक्रम में SVKM नरसी मोनजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज बैंगलोर के सहायक प्राध्यापक श्री आनंद प्रकाश ने तीन दिन तक प्रशिक्षण प्रदान किया। यह कार्यशाला 'करके सीखने पर आधारित थी जिससे कुल 37 छात्रों ने स्थानीय समस्याओं की पहचान करने व उसका व्यवस्थित अध्ययन कर समस्या का व्यावहारिक समाधान विकसित करने की प्रक्रिया को समझा। साथ ही प्रतिभागियों ने मुद्दों की पहचान, समस्या प्रश्न निर्माण,शोध पद्धति और डेटा संकलन में दक्षता विकसित की। कार्यशाला में विषय से सम्बंधित अलग-अलग सत्र आयोजित किए गए जैसे सामुदायिक मुद्दों को समझना और चुनना, स्थानीय मुद्दों को शोध योग्य समस्याओं के रूप में प्रस्तुत करना, शोध प्रश्न विकसित करना,डेटा और साक्ष्य की बुनियादी बातें, डेटा संकलन प्रथाएं,शोध नैतिकता तथा लघु शोध योजना तैयार करना। कार्यशाला में शामिल सभी विद्यार्थियों ने अपनी शोध योजना तैयार कर विशेषज्ञों के समक्ष प्रस्तुत किया द्यकोर्स के दौरान विद्यार्थी इन्हीं योजनों को लेकर अपने सामाजिक समूह के बीच कार्य करेंगे। समापन समारोह में अपर संचालक उच्च शिक्षा प्रोफेसर रिज़वान उल्ला,सोशल इनोवेशन एवं कम्युनिटी एंगेजमेंट सेल के समन्वयक डॉ. दीपक सिंह, प्रोफेसर राज कमल मिश्रा और प्रोफेसर राजेश सिंह, मुहिम फाउंडेशन के कार्यकारी निदेशक श्री ऋषिकेश ठाकुर उपस्थित रहे। सभी ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर 'मेधावी बेटियों सम्मान' कार्यक्रम का आयोजन

शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली बालिकाओं को प्रोत्साहन राशि

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आज राजमोहनी भवन, अम्बिकापुर में मेधावी बेटियाँ सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली बालिकाओं को सम्मानित कर उनका मनोबल बढ़ाना तथा समाज में बालिका शिक्षा और नारी सशक्तिकरण के प्रति जागरूक करने हेतु नुक्कड़ नाटक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती दिव्या सिंह सिसौदिया,

महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, सभापति श्री हरिमन्दर सिंह टिन्नी सहित पार्षदगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली जिले की मेधावी छात्राओं को सम्मानित किया गया। कक्षा 10वीं में 97.83 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा भूमिका राजवाड़े को 5000 की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। इसी कक्षा में 97.67 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान हासिल करने वाली दिव्या चौहान एवं खुशबू बारिक को 3000-3000 की राशि से सम्मानित किया गया। वहीं 97.33 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली सामली तथा अदिति राजवाड़े को 2000-2000 की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। कक्षा 12वीं में 94.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल करने वाली छात्रा वंशिका गुप्ता को 7000 की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। 94.00 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली लक्ष्मी यादव को 5000 तथा 92.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली वसिमा नुसरत को 3000 की पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया गया। इस प्रकार कार्यक्रम में मेधावी बालिकाओं को सम्मान कर प्रोत्साहित किया गया।

शंकरगढ़ पुलिस ने की डी जे पर कार्यवाही...डी जे सामग्री एवं पिकअप वाहन जप्त कर न्यायालय में पेश किया

-संवाददाता-
शंकरगढ,24 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के शंकरगढ़ पुलिस ने डी जे साउंड सिस्टम एवं पिकअप वाहन में लोड सामग्री पिकअप वाहन जप्त कर इस्त क. 01 /2026,धारा- छ.ग. कोलाहल अधि. की धारा 15, के तहत कार्यवाही कर न्यायालय में पेश किया। जानकारी के अनुसार दिनांक 23.01.26 को 4-5 बजे भोर पूरी रात घटना स्थल ग्राम बचवार हाउसिंग बोर्ड कालोनी के पास अनावेदकों द्वारा पीकप वाहन क. यूपी 67 सीटी 1734 में डीजे साउण्ड 10 नग, आडियो टोन मशीन 03 नग,मिक्सर 01 नग, डिस्को लाईट 08 नग,जनरेटर 01 नग लोड कर तीव्र गति से ध्वनि संगीत पूरी रात भोर 4-5 बजे बजा रहे थे आस पास के निवासियों को तेज गति के ध्वनि से काफी असविधा हो रही थी। सूचना पर शंकरगढ़ पुलिस द्वारा मौके पर पहुंच कर अनावेदकों को डीजे पीकप में लोड कर तीव्र गति से संगीत गाना बजाने के संबंध में सक्षम अधिकारी का अनज्ञा पत्र,अनुमति आदेश पत्र पेश करने हेत् नोटिस दिया गया, जिनके द्वारा कोई वैद्य अनुज्ञप्ति पत्र प्रस्तत नहीं करने तथा कोई अनुमति पत्र नहीं होना लिखित में दिए जाने पर अनावेदकों का कृत्य सदर धारा 15 कोलाहल अधिनियम का उल्लंघन किया जाना पाये जाने से समक्ष गवाहन कोलाहल पंचनामा तैयार किया जाकर म्ताबिक जप्ती पत्रक के डीजे सामग्री एवं पीकप क., यूपी 67 सीटी 1734 को जप्त किया जाकर ईश्तगाशा तैयार कर न्यायालय पेश किया गया है।

दो पहिया वाहन चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर से दो पहिया वाहन चोरी के मामले में मणिपुर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी स्कूटी व बाइक चोरी कर सांडबार स्थित नाला के किनारे छिपाकर रखा था,जिसे पुलिस ने जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार शहर के नमनाकला निवासी सुधीर तिवारी 29 दिसंबर को स्वयं का इलाज कराने स्कूटी से मेडिकल कॉलेज अस्पताल गया था। वह अस्पताल परिसर में स्कूटी खड़ी कर डॉक्टर के पास इलाज कराया। कुछ देर बाद जब वापस स्कूटी के पास पहुंचा तो नहीं था। किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ली गई थी। वहीं 15 दिसंबर को जयनगर थाना क्षेत्र निवासी उदय राम अस्पताल में भर्ती पिता के लिए खाना लेकर बाइक से गया था। वह बाइक को अस्पताल के पार्किंग के खड़ा किया था। कुछ देर बाद वापस लौटा तो उसकी बाइक नहीं थी। दोनों पीड़ितों ने मामले की रिपोर्ट मणिपुर थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस अज्ञात के खिलाफ धारा 305 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना कर रही थी। विवेचना के दौरान पुलिस को मुखबिर से जानकारी मिली की कोतवाली क्षेत्र के मोमिनपुरा निवासी इरफ़ान उर्फ़ धनु अंसारी पिता अब्दुल गफार अंसारी उम्र 30 वर्ष उक्त स्कूटी व बाइक से घुमते देखा गया है। मुखबिर की सूचना पर मणिपुर पुलिस इरफान को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो वह चोरी करना स्वीकार किया। उक्त स्कूटी व बाइक को सांडबार स्थित नाला के किनारे छिपाकर रखना बताया, जहां से पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

स्टंटबाजी पर पुलिस ने 8 वाहनों को किया जब्त,लाइसेंस निरस्त करने की होगी कार्रवाई

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

शहर में सडक़ सुरक्षा को ताक पर रखकर स्टंटबाजी करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सरगुजा पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। स्कूटी, इनोवा, स्कॉर्पियो व अन्य कारों से खिड़कियों के बाहर निकलकर स्टंट करते हुए तेज व लापरवाह वाहन चलाने की सूचना पर पुलिस ने त्वरित संज्ञान लिया। 23 जनवरी की शाम करीब 4.30 बजे मिली सूचना के बाद उप पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा राजेश अग्रवाल के निर्देश पर कोतवाली पुलिस टीम सक्रिय हुई। चौक-चौराहों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालकर संबंधित वाहनों की पहचान की गई। जांच में पाया गया कि अज्ञात चालकों द्वारा खतरनाक तरीके से वाहन चलाकर स्वयं व आम नागरिकों के जीवन को खतरे में डाला गया।

पुरानी रंजिश पर तीन बदमाशों ने युवक को मारा चाकू

चाय दुकान में स्कूटी सवार युवकों ने किया हमला, सीसीटीवी में कैद वारदात

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

शहर के मायापुर चांदनी चौक स्थित एक चाय दुकान में शनिवार दोपहर सनसनीखेज चाकूबाजी की घटना सामने आई। स्कूटी से पहुंचे तीन युवकों ने एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में चाकू युवक के पेट में ही फंस गया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। गंभीर हालत में घायल युवक को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया,जहां उसका तत्काल ऑपरेशन किया गया। फिलहाल उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।जानकारी के अनुसार घायल युवक ऋतिक जायसवाल (निवासी बौरीपारा) शनिवार दोपहर करीब 12 बजे अपने एक दोस्त के साथ मायापुर चांदनी चौक स्थित पेट्रोल पंप के पास चाय दुकान में बैठा था।

इसी दौरान स्कूटी सवार तीन युवक वहां पहुंचे। इनमें से दो युवकों ने ऋतिक से विवाद शुरू किया। कुछ ही देर बाद तीसरा युवक भी वहां आया और अचानक ऋतिक के पेट में चाकू घोंप दिया। हमले के बाद चाकू ऋतिक के पेट में ही फंसा रहा। आरोपी युवक वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल ऋतिक चाकू को हाथ से पकड़े हुए दुकान से बाहर निकला। उसका दोस्त तुरंत उसे बाइक से मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचा, जहां डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए आपातकालीन ऑपरेशन किया। घायल के दोस्त आनंद गुप्ता ने बताया कि आरोपी युवक पहले से परिचित हैं और किसी पुरानी रंजिश को लेकर विवाद चला आ रहा था। चाकू मारने वाले युवकों की पहचान सत्यम सोनकर,आयुष और एक अन्य के रूप में हुई है। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

डॉक्टरों ने बताया-स्थिति अब सामान्य : चिकित्सकों के अनुसार चाकू युवक के लिवर के पास लगा था, जिससे लिवर में करीब 3 बाई 2 सेंटीमीटर का घाव हुआ और अत्यधिक रक्तस्राव होने से हालत गंभीर हो गई थी।

शल्य चिकित्सा विभाग के डॉ. मनोज भारती के नेतृत्व में डॉ. आनंद कुमार और डॉ. इंद्रनील की टीम ने सफल ऑपरेशन किया। निश्चेतना विभाग से डॉ. दीपा और डॉ. अभिजीत मौजूद रहे। ऑपरेशन के बाद युवक की स्थिति अब सामान्य बताई जा रही है।

मेंड्राकला में 'विकसित भारत-जी राम जी' अंतर्गत किसान-श्रमिक चौपाल एवं जन-जागरण अभियान का आयोजन

सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज के मुख्य आतिथ्य में ग्रामीणों से सीधा संवाद,विकास कार्यों के शीघ्र समाधान का आश्वासन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी ग्रामीण मंडल अंबिकापुर अंतर्गत ग्राम मेंड्राकला में विकसित भारत-जी राम जी' अंतर्गत किसान-श्रमिक चौपाल एवं जन-जागरण अभियान का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया जहाँ जिला महामंत्री विनोद हर्ष, जिला पंचायत सदस्य पायल सिंह तोमर,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य महिला मोर्चा सोनू तिग्गा, जिला संवाद प्रमुख रुपेश दुबे विशिष्ट अतिथि के रूप में मंचासीन रहे। इस अवसर पर सांसद चिंतामणि महाराज ने ग्रामीणों से सीधा संवाद करते हुए सड़क,पेयजल, सिंचाई,बिजली, रोजगार सहित विभिन्न स्थानीय

समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा क्षेत्र के समग्र एवं संतुलित विकास हेतु सभी समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। 'जी राम जी' विषय पर चौपाल को संबोधित करते हुए सांसद चिंतामणि महाराज ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय मनरेगा योजना में व्यापक स्तर पर भ्रष्टाचार व्याप्त था। फर्जी मस्टर रोल, मजदूरी भुगतान में गड़बड़ी और योजनाओं की गुणवत्ता पर प्रश्नचिह्न लग चुके थे। इन सभी कमियों को दूर करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने 'जी राम जी' नाम से एक महत्वाकांक्षी योजना प्रारंभ की है, जिससे ग्रामीण मजदूरों को पारदर्शी व्यवस्था के तहत रोजगार मिलेगा और गांवों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित होगा। जिला महामंत्री विनोद हर्ष ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस शासनकाल में मनरेगा भ्रष्टाचार का अड्डा बन चुकी थी,उस समय मजदूर कम मजदूरी में दूसरा काम करना पसंद करता था लेकिन मानरेगा में काम करना नहीं चाहता था । अब भाजपा सरकार ने व्यवस्था में सुधार कर 'वीबी-जी राम जी' योजना लाई है,जिसके अंतर्गत मजदूरों को अब 100 दिनों के स्थान पर 125 दिनों का रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि मजदूरी का भुगतान समयबद्ध,ईमानदारी और पूर्ण पारदर्शिता के साथ किया जाएगा,जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और गांव का चौमुखी विकास होगा। उन्होंने कहा कि जी राम जी में मजदूर और ग्रामीणों को इतना अधिकार दिया गया है कि वे अपने गाँव को आदर्श ग्राम बना सकेंगे। जिला पंचायत सदस्य पायल सिंह तोमर ने कहा कि मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं में 'जी राम जी' का विशेष महत्व है। विपक्षी दल इस योजना का दुष्प्रचार कर रहे हैं क्योंकि वे गांव, गरीब, मजदूर और किसान के विरोधी हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे एकजुट होकर ऐसे विरोधियों को मुंहतोड़ जवाब दें और अधिक से अधिक मजदूरों का पंजीयन कराकर योजना का लाभ दिलाएं।

आईपीएस राजेश अग्रवाल को पदोन्नति,आईजी ने लगाया कॉलर बैच

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

भारतीय पुलिस सेवा के 2012 बैच के अधिकारी एवं वर्तमान सरगुजा एसएसपी राजेश अग्रवाल को पदोन्नति प्रदान की गई है। 14 वर्ष की सेवा पूर्ण होने पर राज्य सरकार द्वारा उन्हें मैट्रिक्स लेवल-13 का वेतनमान दिया गया है। इस अवसर पर आईजी दीपक झा ने कॉलर बैच लगाकर उन्हें सम्मानित किया। राजेश अग्रवाल इससे पहले रायगढ़,जशपुर,सूरजपुर,बलरामपुर और कवर्धा जिलों में पुलिस अधीक्षक के पद पर सेवाएं दे चुके हैं। उनके कार्यकाल को अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था सुधार के लिए सराहा जाता है। उन्हें सराहनीय सेवाओं के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक भी मिल चुका है। सरगुजा में उनके नेतृत्व में पुलिस टीम ने कई बड़े मामलों का त्वरित खुलासा किया है। अपराधियों के प्रति सख्त और जनता के प्रति सौम्य व्यवहार के लिए वे जिले में अलग पहचान रखते हैं।

CMYK

13 हजार क्विंटल की कमी के बाद 35 हजार क्विंटल की तेजी,संयोग या संकेत?

13 दिनों में 35 हजार क्विंटल की खरीदी-कृषि उपलब्धि या 'भ्रष्टाचार एक्सप्रेस' की रफ्तार?

धान खेतों में नहीं,फाइलों में उगा शिवप्रसादनगर का चौंकाने वाला सच

शिवप्रसादनगर में धान नहीं,आंकड़े दौड़ रहे हैं,कागजों में भरपूर धान, जमीन पर सन्नाटा

धान खरीदी का सबसे रहस्यमय केंद्र बना शिवप्रसादनगर,जांच हुई तो फटेगा बड़ा घोटाला!

खेत सूने,चट्टा भरी! खरीदी आंकड़ों ने बढ़ाई प्रशासन की मुश्किल

एक केंद्र,कई सवालः धान कम और आंकड़े आसमान पर

35 हजार क्विंटल 13 दिन में – कृषि या करामात?

धान खरीदी या 'डिजिटल खेती'? शिवप्रसादनगर मॉडल चर्चा में

-ओंकार पाण्डेय-

सूरजपुर,24 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

कहते हैं भारत कृषि प्रधान देश है, लेकिन सूरजपुर जिले का शिवप्रसादनगर धान खरीदी केंद्र यह साबित करने पर तुला है कि अब देश आंकड़ा प्रधान बन चुका है – जहां खेतों से धान नहीं,सीधे फाइलों से क्विंटल निकल रहे हैं। यहां बालियां नहीं बढ़ रहीं,लेकिन खरीदी का ग्राफ रोज नया रिकॉर्ड बना रहा है। जिले के सबसे चर्चित इस धान खरीदी केंद्र में एक बार फिर खरीदी के आंकड़ों ने गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं,रकबा बढ़ाने और सत्यापन प्रक्रिया के बाद महज 13 दिनों में 35,000 क्विंटल धान खरीदी दर्ज की गई,जिसने प्रशासन से लेकर किसान संगठनों तक को चौंका दिया है,सबसे बड़ा सवाल यही है क्या केवल दो चट (स्टैक) में 35 हजार क्विंटल धान रखना संभव है?

पहले भी सामने आ चुकी है भारी कमी

उल्लेखनीय है कि इससे पहले जब यहां लगभग 65,000 क्विंटल खरीदी दर्शाई गई थी,तब दैनिक घटती-घटना द्वारा यह सवाल उठाया गया था कि इतनी खरीदी के अनुरूप धान भौतिक रूप से समिति में मौजूद नहीं है,बाद में हुई जांच में 13,000 क्विंटल से अधिक धान की कमी भी पाई गई थी। उस समय लगा था कि अब व्यवस्था सुधरेगी,लेकिन इसके उलट जांच के कुछ ही दिनों बाद रिकॉर्ड गति से खरीदी दर्ज होना कई संदेहों को जन्म दे रहा है।

दो महीने में 65 हजार,13 दिन में 35 हजार क्विंटल खरीदी!

सूत्रों के अनुसार लगभग दो महीनों में 65,000 क्विंटल खरीदी,और अब केवल 13 दिनों में 35,000 क्विंटल यह तब है,जब अधिकांश किसान पहले ही अपना धान बेच चुके हैं। गांवों में न ट्रॉलियां दिखाई दे रही हैं,न खेतों में धान शेष है।,यही कारण है कि यह अचानक आई आवक प्राकृतिक नहीं बल्कि कृत्रिम आंकड़ा वृद्धि मानी जा रही है।

नियमों के विपरीत चट्टा में भराव

सरकारी मानकों के अनुसार एक चट्टा में अधिकतम 5,000 बोरी धान,एक बोरी का मानक वजन 40.700 किलो,इस आधार पर एक चट में लगभग 2,000 क्विंटल धान ही संभव है,तो फिर सवाल उठता है दो चट्टा में 35,000 क्विंटल कैसे आ गया? क्या चट्टा अब रबर की बनने लगी हैं? क्या बोरियां हवा में तैरने लगी हैं? या फिर धान अब डिजिटल रूप में आने लगा है?

एक धान – कई किसानों का सत्यापन!

सबसे चौंकाने वाला आरोप यह है कि एक ही ट्रॉली या ढेर के धान के साथ अलग-अलग किसानों के कई फोटो खींचकर सत्यापन किया जा रहा है,अर्थात धान वही रहता है किसान बदल जाते हैं इस तरह पोर्टल पर खरीदी बढ़ जाती है,लेकिन जमीन पर धान उतना होता ही नहीं, स्थानीय लोग इसे व्यंग्य में 'एक धान — अनेक किसान योजना' कह रहे हैं।

बोरियों का वजन घटाकर संख्या बढ़ाने का तरीका-

सूत्रों के अनुसार समिति के जिम्मेदारों ने नया तरीका अपनाया है मानक वजनः 40.700 किलो,वास्तविक वजनः 35-38 किलो, कम वजन की बोरियां बनाकर—बोरियों की संख्या बढ़ाई जाती है, कागजों में क्विंटल पूरा दिखा दिया जाता है यदि भविष्य में जांच केवल बोरी गिनती पर हुई,तो वास्तविक धान की भारी कमी आसानी से छिपाई जा सकती है।

धान माफिया-समिति-प्रबंधन गठजोड़ के आरोप-

स्थानीय सूत्रों का आरोप है कि समिति प्रबंधन,धान खरीदी प्रभारी और स्थानीय धान माफिया आपसी तालमेल से यह पूरा खेल संचालित कर रहे हैं, यह भी चर्चा है कि 'ऊपर तक पैसा पहुंचने' की धारणा के कारण कार्रवाई का भय लगभग समाप्त हो चुका है।

11 करोड़ का घोटाला संभव- पर जांच करेगा कौन?

सूत्रों का दावा है कि यदि इस धान खरीदी केंद्र की निष्पक्ष,स्वतंत्र और दबाव-मुक्त जांच कराई जाए, तो अकेले इसी केंद्र से 11 करोड़ रुपये तक का घोटाला सामने आ सकता है – इतना कि पूरे जिले का आंकड़ा भी छोटा पड़ जाए, सूत्रों के अनुसार अंदरूनी सोच बेहद चिंताजनक है– 'करोड़ों डकारो तो, 20-25 लाख खर्च कर जमानत करा लेंगे, यही कारण है कि भ्रष्टाचार अब डर के साथ नहीं, पूरे आत्मविश्वास के साथ किया जा रहा है।

प्रशासनिक जांच की उठी मांग ग्रामीणों,किसानों और जनप्रतिनिधियों द्वारा मांग की जा रही है कि...

पूरे खरीदी केंद्र का भौतिक सत्यापन कराया जाए, बोरी वजन,चट्टा संख्या व ऑनलाइन डेटा का मिलान हो,पूर्व में सामने आई कमी के लिए जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जाए क्योंकि यदि समय रहते जांच नहीं हुई,तो सरकारी धान खरीदी व्यवस्था से किसानों का भरोसा पूरी तरह टूट सकता है।

प्रशासन मौन क्यों?

सबसे बड़ा प्रश्न यही है 13 हजार क्विंटल की कमी पहले ही सामने आ चुकी,अब अचानक खरीदी विस्फोटक गति से बढ़ी,नियमों के विरुद्ध धान का चट्टा भरे जा रहे हैं,किसान मौके पर मौजूद नहीं फिर भी कोई विशेष जांच नहीं,कोई निलंबन नहीं,कोई एफआईआर नहीं क्या प्रशासन सिर्फ आंकड़े देख रहा है या जानबूझकर आंखें मूंदे बैठा है?

यह केवल एक खरीदी केंद्र की कहानी नहीं...

यह पूरी धान खरीदी व्यवस्था पर उठता गंभीर सवाल है, यदि आज शिवप्रसादनगर को नहीं रोका गया, तो कल यही मॉडल पूरे जिले में दोहराया जाएगा,यह रिपोर्ट जनहित में उपलब्ध दस्तावेजों, स्थानीय तथ्यों व सूत्रों के आधार पर तैयार की गई है। प्रशासनिक पक्ष प्राप्त होने पर उसे भी समान रूप से प्रकाशित किया जाएगा।

कोरिया में शर्मसार हुआ सिस्टम...स्कूल मैदान में अश्लील ठुमकों पर उड़े नोट,रोजगार सहायक ने पद की गरिमा रौंदी, सेवा भी समाप्त

सरकारी कर्मचारी का शर्मनाक कारनामा: बच्चों के मैदान में अश्लील नृत्य और नोटों की बारिश

- स्कूल परिसर बना फूहड़ता का अड्डा,रोजगार सहायक ने मंच पर उड़ाए नोट
- छत्तीसगढ़ की संस्कृति पर हमलाः स्कूल मैदान में 'नंगा नाच',सिस्टम बना तमाशबीन
- विकास की जिम्मेदारी छोड़ ठुमकों में डूबा सिस्टम,कोरिया में प्रशासन बेनकाब
- कोरिया में सिस्टम की सरेआम बेइज्जती,वायरल वीडियो ने खोली प्रशासन की पोल
- पद की गरिमा को ठुमकों में उड़ायाः स्कूल मैदान में सरकारी कर्मचारी का अश्लील तमाशा
- मनरेगा से मंच तकः रोजगार सहायक का रंगीन वीडियो बना प्रशासन की किरकिरी
- कागजों में विकास,मैदान में डांस–कोरिया में सिस्टम का असली चेहरा उजागर
- छत्तीसगढ़ में फिर शर्मनाक तमाशा,अब कोरिया में टूटी मर्यादा

-रवि सिंह-

कोरिया,24 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ में सांस्कृतिक आयोजनों की आड़ में लगातार बढ़ती अश्लीलता अब एक गंभीर सामाजिक और प्रशासनिक संकट का रूप ले चुकी है। गरियाबंद और सूरजपुर जिलों में सामने आई शर्मनाक घटनाओं की गूंज अभी थमी भी नहीं थी कि अब कोरिया जिले के सोनहत विकासखंड से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है, ग्राम पंचायत पोड़ी में आयोजित फुटबॉल टूर्नामेंट के समापन समारोह के नाम पर जो दृश्य सामने आया, वह न केवल छत्तीसगढ़ी संस्कृति के मूल स्वरूप पर आघात है, बल्कि शिक्षा व्यवस्था, पंचायत तंत्र और प्रशासनिक नियंत्रण- तीनों पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

स्कूल मैदान बना अश्लीलता का मंच

जानकारी के अनुसार शुक्रवार देर रात ग्राम पंचायत पोड़ी के शासकीय स्कूल खेल मैदान में टूर्नामेंट समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया था,जिस मैदान पर दिन के समय बच्चे अनुशासन,खेल भावना और भविष्य निर्माण की शिक्षा लेते हैं,उसी परिसर में रात ढलते ही तेज डीजे,आपत्तिजनक फिल्मी गीत,मंच पर नर्तकियों के अश्लील ठुमके, देर रात तक चलता फूहड़ प्रदर्शन ने पूरे माहौल को शर्मसार कर दिया,ग्रामीणों का आरोप है कि यह कार्यक्रम पूरी तरह बिना किसी प्रशासनिक अनुमति और निगरानी के आयोजित किया गया। सबसे चिंताजनक बात यह रही कि इस आयोजन में बड़ी संख्या में ग्रामीण युवक, किशोर और बच्चे भी मौजूद थे।

बच्चों के भविष्य वाले परिसर में मर्यादाओं की हत्या

स्थानीय ग्रामीणों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि स्कूल केवल ईंट-पत्थर की इमारत नहीं होता,वह बच्चों के चरित्र निर्माण का केंद्र होता है, उसी स्थान पर अश्लील नृत्य कराना आने वाली पीढ़ी को गलत संदेश देता है, ग्रामीणों का यह भी कहना है कि पहले भी पंचायत स्तर पर ऐसे कार्यक्रम होते रहे हैं, लेकिन इस बार हदें पार कर दी गईं।

रोजगार सहायक की भूमिका बनी सबसे बड़ा सवाल

इस पूरे मामले में सबसे अधिक आक्रोश रोजगार सहायक जिंदरसाय सोनवानी की भूमिका को लेकर है, सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि रोजगार सहायक मंच के बेहद करीब मौजूद है,नर्तकियों के साथ खुलेआम ठुमके लगा रहा है,मंच पर चढ़कर नोटों की बारिश कर रहा है,आसपास मौजूद लोग उसे प्रोत्साहित कर रहे हैं,यह वही कर्मचारी है,जिस पर मनरेगा जैसी योजनाओं के क्रियान्वयन, मजदूरों के भुगतान,ग्रामीण विकास की जवाबदेही जैसे गंभीर दायित्व सौंपे गए हैं,सरकारी सेवा आचरण नियमों के अनुसार कोई भी कर्मचारी सार्वजनिक रूप से इस प्रकार का आचरण नहीं कर सकता,फिर भी खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ती रहीं।

प्रशासनिक चुप्पी पर उठे गंभीर प्रश्न

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या पंचायत सचिव, सरपंच या जनपद स्तर के अधिकारी इस आयोजन से अनजान थे? क्या बिना अनुमति स्कूल परिसर का उपयोग किया गया? क्या पुलिस या प्रशासन को कार्यक्रम की सूचना दी गई थी? यदि जानकारी थी, तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई? और यदि जानकारी नहीं थी,तो यह प्रशासनिक लापरवाही नहीं तो क्या है?

पूर्व विधायक गुलाब कमरो का तीखा प्रहार

भरतपुर-सोनहत विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने इस घटना को 'सिस्टम की नैतिक विफलता' करार देते हुए कहा छत्तीसगढ़ की पहचान हमारी लोक संस्कृति,पंथी,करमा और पारंपरिक नृत्य हैं,अश्लील नृत्य हमारी संस्कृति नहीं है, सरकारी स्कूल परिसर में इस तरह का कार्यक्रम और उसमें सरकारी कर्मचारी की शर्मनाक भूमिका बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है,गरियाबंद और सूरजपुर के बाद भी प्रशासन नहीं जागा,इसी कारण आज कोरिया में भी यह दुस्साहस हुआ,उन्होंने कलेक्टर से तत्काल प्रभाव से रोजगार सहायक को निलंबित करने और पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

सोशल मीडिया पर उबाल,प्रशासन पर दबाव

घटना का वीडियो वायरल होते ही सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आने लगीं। लोग सवाल उठा रहे हैं कि जब किसानों,मजदूरों को भुगतान में महीनों लगते हैं,तब सरकारी कर्मचारी मंच पर हजारों रुपए लुटा रहा है,आखिर यह पैसा आया कहां से? यह सवाल अब प्रशासन के लिए भी असहज होता जा रहा है।

अब सवाल सिर्फ अश्लीलता का नहीं

यह मामला केवल अश्लील कार्यक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे जुड़े कई गंभीर प्रश्न सामने आ रहे हैं सरकारी पद का दुरुपयोग,स्कूल परिसर की मर्यादा भंग,सांस्कृतिक पतन, प्रशासनिक लापरवाही,पंचायत स्तर पर बेलगाम व्यवस्था,यदि समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं हुई,तो यह घटनाएं आगे और विकराल रूप ले सकती हैं।

अब प्रशासन की असली परीक्षा पूरा जिला अब प्रशासन की ओर देख रहा है...

- क्या दोषी रोजगार सहायक पर निलंबन की कार्रवाई होगी?
- क्या आयोजकों पर एफआईआर दर्ज होगी?
- क्या स्कूल परिसर के दुरुपयोग पर सख्त निर्देश जारी होंगे?
- या फिर यह मामला भी जांच के नाम पर फाइलों में दबा दिया जाएगा?

यह केवल एक वीडियो नहीं

सिस्टम के चरमराने की चेतावनी है,अब देखना यह है कि प्रशासन इस चेतावनी को गंभीरता से लेता है या अगली शर्मनाक घटना का इंतजार करता है।

स्कूल मैदान अश्लीलता मामला रोजगार सहायक की सेवा समाप्त

ग्राम पंचायत पोड़ी के स्कूल परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अश्लील नृत्य और नोट उड़ाने के मामले में प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई की है। प्रकरण को गंभीरता से संज्ञान में लेते हुए जनपद पंचायत सोनहत के सीईओ ने रोजगार सहायक जिंदरसाय सोनवानी की सेवा तत्काल प्रभाव से समाप्त करने का आदेश जारी किया है,आदेश के अनुसार 24 जनवरी 2026 को प्रिंट मीडिया में प्रकाशित समाचार एवं वायरल वीडियो में रोजगार सहायक का कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम-03 के तहत कदाचार की श्रेणी में पाया गया, जिससे शासन की छवि धूमिल हुई,प्रशासन द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, लेकिन प्राप्त जवाब संतोषजनक नहीं होने पर छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (संविदा नियुक्ति) नियम 2012 के अंतर्गत यह कार्रवाई की गई,प्रशासन की इस सख्ती को सरकारी कर्मचारियों के लिए स्पष्ट चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है।

CMYK

स्वास्थ्य विभाग में पदोन्नति पर बड़ा सवाल

वरिष्ठ को हटाकर कनिष्ठ बना लिपिक

चतुर्थ से तृतीय श्रेणी पदोन्नति विवादों में,लेनदेन का आरोप

वरिष्ठ अपात्र,कनिष्ठ योग्य? स्वास्थ्य विभाग की पदोन्नति प्रक्रिया संदेह के घेरे में

पदोन्नति आदेश ने खोली विभागीय पोल,कर्मचारी ने लगाए गंभीर आरोप

स्वास्थ्य विभाग में नियम ताक पर,पदोन्नति में उठा लेनदेन का मामला

चौकीदार से लिपिक पदोन्नति पर सवाल,वरिष्ठता सूची दरकिनार

पात्र कर्मचारी बाहर,कनिष्ठ अंदर — स्वास्थ्य विभाग की पदोन्नति पर सवाल

संपर्कों का मिला लाभ?

सूत्रों का मानना है कि लंबे समय से कार्यालयीन कार्य करने, अधिकारियों से नजदीकी संपर्क, और विभागीय अंदरूनी पहुंच का सीधा लाभ पदोन्नति प्रक्रिया में मिला, जिसके कारण कनिष्ठ होते हुए भी उसे तृतीय श्रेणी लिपिक पद पर पदोन्नत कर दिया गया।

जांच की उठी मांग

अब यह पूरा मामला स्वास्थ्य विभाग की पदोन्नति प्रक्रिया पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा कर रहा है, कर्मचारी संगठनों और विभागीय कर्मचारियों के बीच चर्चा है कि क्या पदोन्नति नियमों के अनुरूप हुई?वरिष्ठता सूची का पालन क्यों नहीं किया गया? क्या आर्थिक लेनदेन के आरोपों की जांच होगी? प्रभावित कर्मचारी ने मामले की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच की मांग की है।

-रवि सिंह-

बैकुंठपुर,24 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले के स्वास्थ्य विभाग में चतुर्थ श्रेणी से तृतीय श्रेणी लिपिक पद पर हुई पदोन्नति प्रक्रिया को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं, प्रभावित चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी ने विभाग पर वरिष्ठ को अपात्र ठहराकर कनिष्ठ को पदोन्नति देने का आरोप लगाया है,शिकायतकर्ता का कहना है कि वह पदोन्नति के लिए पूर्णतः पात्र एवं वरिष्ठ होने के बावजूद उसे प्रक्रिया से बाहर कर दिया गया, जबकि उससे कनिष्ठ कर्मचारी को पदोन्नति प्रदान कर दी गई। आरोप है कि यह पदोन्नति लेनदेन के आधार पर की गई है, यह समाचार शिकायत कर्ता के आरोपों एवं उपलब्ध सूत्रीय जानकारियों पर आधारित है, जांच अथवा विभागीय पक्ष प्राप्त होने पर उसे भी समान रूप से प्रकाशित किया जाएगा।

मेडिकल क्लेम सत्यापन में वसूली के आरोप

सूत्रों का दावा है कि संबंधित कर्मचारी को मेडिकल क्लेम सत्यापन से जुड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई थी,इस दौरान वह लगातार आर्थिक लेनदेन के संपर्क में रहा,कथित रूप से इसी अवधि में उसने चल-अचल संपत्ति भी अर्जित की, बताया जा रहा है कि चौकीदार पद पर रहते हुए वह व्यवहारिक रूप से लिपिक की भूमिका निभाता रहा और विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से उसके नजदीकी संबंध भी बने रहे।

चौकीदार से लिपिक पदोन्नति बना विवाद का कारण...

यह मामला चौकीदार पद से तृतीय श्रेणी लिपिक पद पर पदोन्नति से जुड़ा हुआ है,शिकायतकर्ता के अनुसार विभागीय नियमों के तहत वरिष्ठता और पात्रता की अनदेखी कर मनमाने ढंग से आदेश जारी किया गया, प्रार्थी का दावा है कि वह सेवा अवधि में सबसे वरिष्ठ था,सभी निर्धारित योग्यताएं पूर्ण करता था,फिर भी उसे पदोन्नति से वंचित कर दिया गया, जबकि उसके स्थान पर सबसे कनिष्ठ कर्मचारी को लाभ पहुंचाया गया।

लेनदेन के आरोप,पुष्टि जांच पर निर्भर

शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए लेनदेन संबंधी आरोपों को लेकर यह स्पष्ट किया गया है कि यह समाचार आरोपों के आधार पर प्रकाशित है,लेनदेन अथवा दोषपूर्ण पदोन्नति की पुष्टि जांच एवं जांच उपरांत सामने आने वाले तथ्यों पर निर्भर करेगी, दैनिक घटती-घटना इस लेनदेन की पुष्टि नहीं करता,किंतु पदोन्नति पाए कर्मचारी को लेकर सूत्रों से प्राप्त जानकारियां चौंकाने वाली बताई जा रही हैं।

पदोन्नत कर्मचारी की सेवा-यात्रा पर उठे सवाल...

सूत्रों के अनुसार, जिस कर्मचारी को चौकीदार पद से तृतीय श्रेणी लिपिक पद पर पदोन्नत किया गया है, उसकी अब तक की शासकीय सेवा काफी विवादास्पद और रोचक रही है,जानकारी के अनुसार वह जिला चिकित्सालय में चौकीदार पद पर पदस्थ था,लेकिन लंबे समय से कार्यालयीन कार्यों में लिपिक की तरह कार्य कर रहा था, उसे ऐसे विभागों में जिम्मेदारी दी गई जहां आर्थिक लेनदेन से जुड़े कार्य होते हैं।

सोनहत में गूंजा 'या कुन्देन्दुतुषारहारधवला'

हायर सेकेंडरी,आत्मानंद स्कूल सहित शिक्षण संस्थानों में श्रद्धा से मनाई गई सरस्वती पूजा

-संवाददाता-

सोनहत,24 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

ज्ञान,कला और वाणी की देवी मां सरस्वती की आराधना का पावन पर्व बसंत पंचमी सोनहत क्षेत्र में श्रद्धा,आस्था और उल्लास के साथ मनाया गया,नगर एवं ग्रामीण अंचलों के शासकीय व निजी शिक्षण संस्थानों में मां शारदे की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। विद्यालयों में 'या कुन्देन्दुतुषारहारधवला' के मधुर मंत्रोच्चार से वातावरण पूर्णतः भक्तिमय हो उठा, विद्यार्थियों ने मां सरस्वती से बुद्धि, विवेक, अनुशासन और उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद प्राप्त किया।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सोनहत एवं स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में सुबह से ही उत्सव का माहौल देखने को मिला। शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती की प्रतिमा स्थापित कर वैदिक विधि-विधान से पूजा सम्पन्न की, पूजन उपरांत सामूहिक आरती व प्रसाद वितरण किया गया, वहीं कटगोड़ी क्षेत्र के विद्यालयों में भी पीले परिधानों में सजे बच्चों ने पुष्प अर्पित कर 'विद्यारंभ' का संकल्प लिया।

तकनीकी व निजी संस्थानों में भी भक्ति की बयार

बसंत पंचमी का उत्सव केवल शासकीय विद्यालयों तक सीमित नहीं रहा,बल्कि निजी एवं तकनीकी शिक्षण संस्थानों में भी श्रद्धापूर्वक मनाया गया,आईसेक्ट कंप्यूटर एजुकेशन सोनहत में कंप्यूटर, पुस्तकों एवं अध्ययन सामग्री का पूजन कर आधुनिक शिक्षा के साथ संस्कारों का संगम प्रस्तुत किया गया। डिजिटल युग में ज्ञान की भूमिका को विशेष रूप से रेखांकित किया गया, भारत इंग्लिश मीडियम स्कूल में नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों द्वारा सरस्वती वंदना,नृत्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। विद्यालय प्रबंधन द्वारा बच्चों को बसंत पंचमी के धार्मिक,सांस्कृतिक एवं वैज्ञानिक महत्व से भी अवगत कराया गया।

पीले रंग में रंगा नजर आया परिसर

बसंत ऋतु के आगमन का प्रतीक पीला रंग विद्यालय परिसरों में प्रमुखता से दिखाई दिया। शिक्षक एवं विद्यार्थी पीले वस्त्रों में नजर आए। पूजा उपरांत खिचड़ी एवं पीले मीठे चावल का प्रसाद वितरित किया गया,जिससे बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

शिक्षा केवल किताबी ज्ञान नहीं, संस्कारों का पुंज हैः पुष्पेंद्र राजवाड़े

आईसेक्ट केंद्र में आयोजित सरस्वती पूजन कार्यक्रम में उपस्थित कोरिया जन सहयोग समिति के अध्यक्ष पुष्पेंद्र राजवाड़े ने कहा शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं,बल्कि संस्कारों का पुंज है। सरस्वती पूजा हमें स्मरण कराती है कि ज्ञान ही वह प्रकाश है,जो अज्ञानता के अंधकार को दूर करता है,उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की।

खड़गवां पुलिस का यातायात सड़क सुरक्षा सप्ताह अभियान

-संवाददाता-

खड़गवां,24 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा चलाए जा रहे यातायात सड़क सुरक्षा सप्ताह अभियान के तहत पुलिस महानिरीक्षक रेंज दीपक कुमार झा एवं पुलिस अधीक्षक महोदय श्रीमती रत्ना सिंह के द्वारा यातायात सड़क सुरक्षा सप्ताह अभियान चलाए जाने हेतु निर्देशित करने पर थाना प्रभारी खड़गवां सुनील तिवारी के नेतृत्व में दिनांक 24 /1/ 2026 को विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय खड़गवां में सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत स्कूली बच्चों के लिए निबंध प्रतियोगिता बैनर पोस्टर नाटक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था जिसमें थाना प्रभारी खड़गवां के द्वारा स्कूली बच्चों को दो पहिया वाहन में तीन सवारी ना चलने बिना हेलमेट ना चलने सड़क पर अपनी और बाएं तरफ चलने जेब्रा क्रॉसिंग देखकर सड़क पार करने नशे हालात में वहां चलने चार पहिया वाहन सीट बेल्ट लगाकर बैठने तथा रोड चौक चौराहा में भीड़ लगाकर रास्ता जाम कर जन्मदिन नहीं मानने यातायात नियमों का पालन करने तथा शासन के द्वारा चलाए जा रहे राहवीर योजना के बारे में आम जनों छात्र-छात्राओं को समझाइए एवं जानकारी दी गई कार्यक्रम में उपस्थित विकासखंड शिक्षा अधिकारी खड़गवां रामनिवास मिश्रा हायर सेकेंडरी स्कूल देवाडाड के प्राचार्य जगदीश सिंह हाई स्कूल बरदर के प्राचार्य एवं अन्य शिक्षक गण एवं ग्रामीण छात्र-छात्राएं जनप्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

फुटबॉल ग्राउंड सीएसईबी में गणतंत्र दिवस समारोह का हुआ फुल ड्रेस फ़ाइनल रिहर्सल

-संवाददाता-

कोरबा,24 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

जिले में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों के अंतर्गत शनिवार को फुटबॉल ग्राउंड, सीएसईबी कोरबा (पूर्व) में फाइनल रिहर्सल सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। रिहर्सल के दौरान कलेक्टर कुणाल दुदावत एवं पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी की गरिमामयी उपस्थिति में मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम के अनुसार समस्त आयोजनों का अभ्यास किया गया। फाइनल रिहर्सल में मुख्य अतिथि की भूमिका में सहायक कलेक्टर क्षितिज गुरभेले ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया तथा परेड का निरीक्षण किया। मुख्य समारोह में प्रस्तावित कार्यक्रमों के अनुरूप ध्वजारोहण, परेड, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों सहित सभी गतिविधियों का क्रमबद्ध अभ्यास किया गया।

बेदखली ईश्तहार

हम व्यास नारायण शर्मा आ0 स्व0 भूषण प्रसाद शर्मा आयु 61 वर्ष एवं सुरेखा शर्मा पति व्यास नारायण शर्मा आयु 50 वर्ष दोनो निवासी तिवारी बिल्डिंग के पीछे,डा0 पाठक के घर के सामने,केदारपुर,अम्बिकापुर,जिला,छ0 ग0 के यह घोषित करते है कि हमारा छोटा पुत्र आयुष नारायण शर्मा किसी महिला शिवांजली दूबे पिता जितेन्द्र दूबे आयु 21 वर्ष के साथ हमे बिना बताये घर से दिनांक 05/12/2025 को चला गया है तथा वर्तमान में आयुष नारायण शर्मा की जानकारी हमें नही है अर्थात हमारे संज्ञान में लापता है और हमसे किसी प्रकार का संबंध नही है।

यह भी विदित हो कि हमारा वयस्क लडका आयुष नारायण शर्मा अपनी स्वेच्छा से हमसे अलग रहने के कारण हमारे मान-सामाजिक प्रतिष्ठा को धुमिल कर दिया है,जिससे हमारे परिवार को काफी क्षति हो रही है इसलिए हम व्यास नारायण शर्मा एवं सुरेखा शर्मा दोनो अपने पुत्र आयुष नारायण शर्मा को अपने सभी चल-अचल सम्पत्ति से आजीवन के लिए बेदखल कर आम जनता को सूचना हेतु ईश्तहार का प्रकाशन करा दे रहे है कि सनद रहे और भविष्य में आयुष नारायण शर्मा से हमारा किसी प्रकार का संबंध नही रहेगा।

व्यास नारायण शर्मा
अम्बिकापुर

सुरेखा शर्मा
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0/...../अ-20 (3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक अजय कुमार श्रीवास्तव आ0 राजेश प्रसाद श्रीवास्तव जाति कायस्थ निवासी नवापारा अम्बिकापुर द्वारा आम मुख्तार कौन्तेय जायसवाल आ0 स्व0 सुरेन्द्र जायसवाल जाति कलार निवासी बौरीपारा अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व की शीट नम्बर -1 मोहल्ला नवापारा नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 2/10 रकबा 2.05 एकड़ भूमि को अनावेदक/क्रेता अजित जायसवाल आ0 कौन्तेय जायसवाल निवासी बौरीपारा अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के पास बिक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 09/02/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक 14/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील

नजूल अधिकारी
,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0/...../अ-20 (3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका श्रीमती पार्वती जामनिक पत्नी स्व0 एल0ए0 जामनिक आयु 88 वर्ष निवासी डी0सी रोड अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 मुख्तारखास श्री संतोष कुमार सिह आ0 स्व0 सूर्य कुमार सिंह निवासी बौरीपारा अम्बिकापुर के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला डी0सी0 रोड महावीर पारा नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर-04 स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 1893 / 39 रकबा 0.10 एकड़ भूमि को अपने पुत्र अनावेदक विजय जामनिक आ0 स्व0 एल0ए0 जामनिक निवासी डी0सी0 रोड अम्बिकापुर के पक्ष में दान करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-09/02/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक-14/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील

नजूल अधिकारी
,अंबिकापुर

कार्यालय पुलिस अधीक्षक बलरामपुर,जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ0ग0)

क्र :- पुअ / बल / नीलामी / 07 / 2026, बलरामपुर, दिनॉक 10/01/2026

// विज्ञप्ति //

जिला बलरामपुर-रामानुजगंज छ0ग0 अंतर्गत वित्तीय शक्ति अधिनियम की कंडिका 38 के अनुसार सरगुजा रेंज के अधीनस्त जिलों/इकाईयों के निष्प्रयोज्य (कंडम) हेतु खण्ड -10-बिक्री, नीलमी, अपलेखन और निपटाना प्रत्यायोजन की सीमा शर्तें अनुसार इकाई के रक्षित केन्द्र बलरामपुर वस्तु भण्डारगृह में उपलब्ध टेंट सेट,किट - क्लोदिंग, सर्च लाईट, सायकल, बलवा ड्रील सामग्रियों जो पुलिस मुख्यालय द्वारा इकाई को सत्र 1999, 2002-03, 2006, 2008, 2009, 2013, 2015-16, 2017 में आबंटन प्राप्त हुआ था, जो निरंतर उपयोग में आने एवं अधिक पुराने हो जाने के कारण अनुपयोगी हो चुके है। जिसे निष्प्रयोज्य / कण्डम घोषित कर नष्टीकरण प्रक्रिया हेतु समिति का गठन आदेश क्रमांक पुअ / बल/रनि /स्टोर/39/2025 दिनांक 08.04.2025 के द्वारा किया गया है । एवं दिनॉक 15.07.2025 को समिति के द्वारा भौतिक सत्यापन किया गया, जिसमें उक्त सभी सामग्रियों को समिति की अनुशंसा से अनुपयोगी / कण्डम घोषित किया गया है। जिसे अपलेखन की कार्यावाही बाद खुली ऑफलाईन नीलामी हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है । निविदा के संबंध में अधिक जानकारी हेतु जिला बलरामपुर बेवसाईट www.balrampur.gov.in में लॉगिन कर प्राप्त कर सकतें हैं ।

क	सामग्री का नाम	तदात अनुमानित	प्रति कि.ग्रा. अनुमानित	ऑफसेट मूल्य प्रस्तावित	रिर्माक
01	एम.के. टेंट खूंटी सहित	20 सेट	आउटर कपड़ा - 25 किग्रा इनर कपड़ा -23 किग्रा कनात कपड़ा - 17 किग्रा खुंटा बांस - 1 किग्रा	5500.00	
02	एम.के. टेंट खूंटी सहित	15 सेट	आउटर कपड़ा - 25 किग्रा इनर कपड़ा -23 किग्रा कनात कपड़ा - 17 किग्रा खूँटा बांस -1 किग्रा	4500.00	
03	सर्च लाईट	109 नग	फाईवर,ग्लास -2.54 किग्रा	1600.00	
04	सायकल	25 नग	लोहा - 16 किग्रा	350.00	
05	आरक्षक साईड कैप	169 नग	ऊलन कपड़ा -0.10 ग्राम	150.00	
06	प्र. आर. साईड कैप	190 नग	ऊलन कपड़ा - 0.10 ग्राम	200.00	
07	फाईवर हेल्मेट	164 नग	फाईवर, ग्लास - 1 किग्रा	1150.00	
08	बॉडी गार्ड	221 नग	कपड़ा - 1 किग्रा	650.00	
09	एल्बो गार्ड	363 नग	कपड़ा - 0.20 ग्राम	250.00	

नीलामी की तिथि - 30.01.2026 के 11.00 बजे ।
नीलामी का स्थान- रक्षित केन्द्र बलरामपुर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ0ग0)

जी नंबर-252606246/2

पुलिस अधीक्षक
बलरामपुर-रामानुजगंज

जेल में ठग का पिता भूमिविहीन, बाहर बेटा फेरारी में

7.7 एकड़ जमीन हदीस-रिजवान-साधना के नाम कैसे हुई?

---- भूस्वामी की जानकारी ----

(1) हदीश मोहम्मद, पिता - गुलाम नवी मोहम्मद
(2) मो रिजवान अंसारी, पिता - मो सुलेमान अंसारी
(3) साधना कुशवाहा, पति - राकेश रोशन कुशवाहा
जोत का प्रकार - संयुक्त

महाठगी का महाजाल - भाग 1

जरीफ की जमीन कैसे बनी हदीस-रिजवान-साधना की संपत्ति?

सूरजपुर का महाघोटाला: ठगी के आरोपी की करोड़ों की जमीन बिक गई,पीड़ित रह गए खाली हाथ

ठगी का पैसा, जमीन का खेल और धान खरीदी की मेहरबानी – सूरजपुर में सिस्टम के भीतर सिस्टम!

स्थानांतरित भूमि का विवरण

खसरा नंबर	रकबा (हे.)
397	0.3100
398/1	0.4800
496/2	0.3300
497/1	0.1400
591/3	0.1900
595/1	0.1000
595/6	0.0500
595/7	0.0500
596/1	0.2000
596/2	0.2000
672/1	0.8600
673/2	0.0800
677/1	0.0700
686	0.0700
कुल स्थानांतरित भूमि	
लगभग 3.13 हेक्टेयर (करीब 7.7 एकड़)	

-शमरोज खान-

सूरजपुर,24 जनवरी 2026 (घटती-घटना)। सरगुजा संभाग के इतिहास में सामने आए सबसे बड़े ठगी प्रकरण में अब एक नया और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है, करोड़ों रुपये की ठगी के आरोपी अशफाक उल्ला और उसके पिता जरीफ उल्ला से जुड़ा यह मामला अब केवल आर्थिक अपराध नहीं रह गया, बल्कि भूमि हस्तांतरण, बैंक ऋ ण,धान खरीदी और राजस्व तंत्र की मिलीभगत की ओर इशारा कर रहा है,सूत्रों के हवाले से दैनिक घटती घटना को प्राप्त दस्तावेज बताते हैं कि जिस जरीफ उल्ला के नाम वर्षों तक सैकड़ों बीघा कृषि भूमि दर्ज थी,वह आज पूरी तरह भूमिविहीन हो चुका है, जबकि उसकी वही जमीन अब हदीस मोहम्मद, रिजवान अंसारी और साधना कुशवाहा के नाम राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज पाई गई है, सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि जिस जरीफ उल्ला के नाम कभी बड़ी मात्रा में कृषि भूमि दर्ज थी,वह आज पूरी तरह भूमिविहीन बताया जा रहा है।

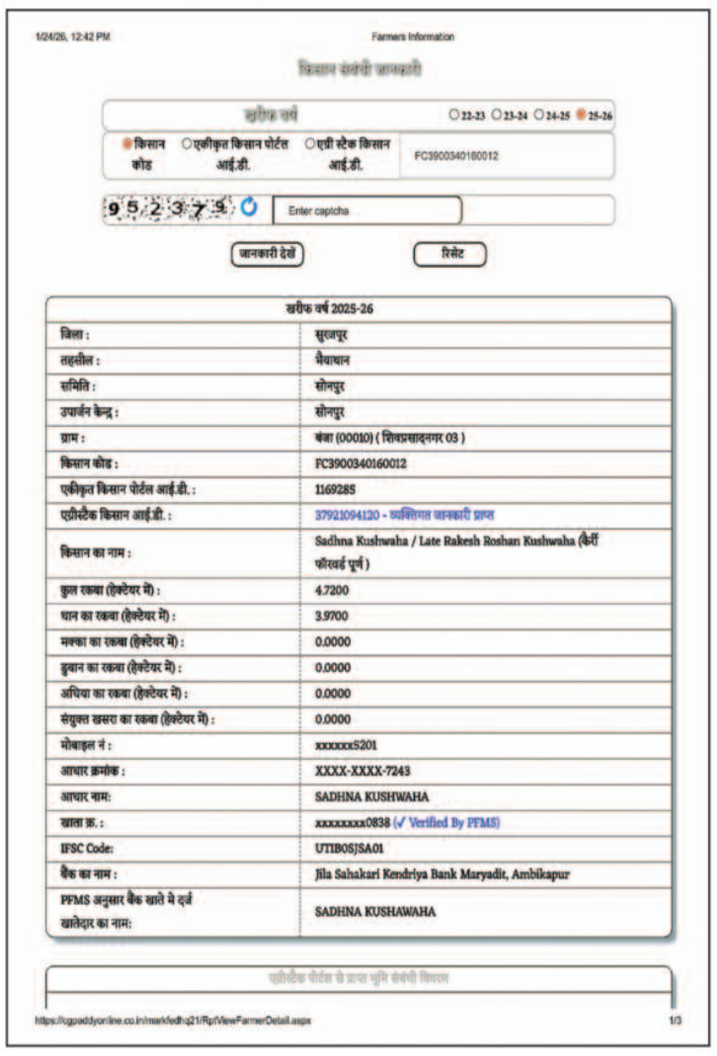

1/24/26, 12:42 PM Farmers Information

किसान संबंधी जानकारी

खरीफ वर्ष ○22-23 ○23-24 ○24-25 ●25-26

●किसान कोड ○एकीकृत किसान पोर्टल आई.डी. ○एग्री स्टैक किसान आई.डी. FC3900340160012

9 5 2 3 7 9 Enter captcha

जानकारी देखें रिसेट

खरीफ वर्ष 2025-26	
जिला :	सूरजपुर
तहसील :	भैयाथान
समिति :	सोनपुर
उपार्जन केन्द्र :	सोनपुर
ग्राम :	बंजा (00010) (शिवप्रसादनगर 03)
किसान कोड :	FC3900340160012
एकीकृत किसान पोर्टल आई.डी. :	1169285
एग्रीस्टैक किसान आई.डी. :	37921094120 - व्यक्तिगत जानकारी प्राप्त
किसान का नाम :	Sadhna Kushwaha / Late Rakesh Roshan Kushwaha (कैरी फॉरवर्ड पूर्ण)
कुल रकबा (हेक्टेयर में) :	4.7200
धान का रकबा (हेक्टेयर में) :	3.9700
मक्का का रकबा (हेक्टेयर में) :	0.0000
डुबान का रकबा (हेक्टेयर में) :	0.0000
अधिया का रकबा (हेक्टेयर में) :	0.0000
संयुक्त खसरा का रकबा (हेक्टेयर में) :	0.0000
मोबाइल नं :	xxxxxx5201
आधार क्रमांक :	XXXX-XXXX-7243
आधार नाम:	SADHNA KUSHWAHA
खाता क्र. :	xxxxxxxx0838 (✓ Verified By PFMS)
IFSC Code:	UTIB0SJSA01
बैंक का नाम :	Jila Sahakari Kendriya Bank Maryadit, Ambikapur
PFMS अनुसार बैंक खाते मे दर्ज खातेदार का नाम:	SADHNA KUSHAWAHA

एग्रीस्टैक पोर्टल से प्राप्त भूमि संबंधी विवरण

https://cgpaddyonline.co.in/markfedhq21/RptViewFarmerDetail.aspx 1/3

1/24/26, 12:42 PM Farmers Information

क्र.	तहसील	गांव का नाम	खसरा क्रमांक	राजस्व में भूस्वामी का नाम	धारणाधिकार	खसरा का कुल रकबा (हे.में)	उपज का रकबा (हे.में)		
							धान	धान गिरदावरी/DCS/भौतिक सत्यापन स्थिति	योग
8	भैयाथान	सोनपुर (00005)	397	हदीश मोहम्मद मो रिजवान अंसारी साधना कुशवाहा	भूमिस्वामी - कृषि भूमि	0.3100	0.3000	हाँ (डीसीएस द्वारा प्राप्त)	0.3000
9	भैयाथान	सोनपुर (00005)	398/1	हदीश मोहम्मद मो रिजवान अंसारी साधना कुशवाहा	भूमिस्वामी - कृषि भूमि	0.4800	0.4800	हाँ (डीसीएस द्वारा प्राप्त)	0.4800
10	भैयाथान	सोनपुर (00005)	496/2	हदीश मोहम्मद मो रिजवान अंसारी साधना कुशवाहा	भूमिस्वामी - कृषि भूमि	0.3300	0.3300	हाँ (डीसीएस द्वारा प्राप्त)	0.3300
11	भैयाथान	सोनपुर (00005)	497/1	हदीश मोहम्मद मो रिजवान अंसारी साधना कुशवाहा	भूमिस्वामी - कृषि भूमि	0.1400	0.1400	हाँ (डीसीएस द्वारा प्राप्त)	0.1400
12	भैयाथान	सोनपुर (00005)	591/3	हदीश मोहम्मद मो रिजवान अंसारी साधना कुशवाहा	भूमिस्वामी - कृषि भूमि	0.1900	0.0000	[illegible]	0.0000
13	भैयाथान	सोनपुर (00005)	595/1	हदीश मोहम्मद मो रिजवान अंसारी साधना कुशवाहा	भूमिस्वामी - कृषि भूमि	0.1000	0.0000	[illegible]	0.0000
14	भैयाथान	सोनपुर (00005)	595/6	हदीश मोहम्मद मो रिजवान अंसारी साधना कुशवाहा	भूमिस्वामी - कृषि भूमि	0.0500	0.0000	[illegible]	0.0000
15	भैयाथान	सोनपुर (00005)	595/7	हदीश मोहम्मद मो रिजवान अंसारी साधना कुशवाहा	भूमिस्वामी - कृषि भूमि	0.0500	0.0000	[illegible]	0.0000
16	भैयाथान	सोनपुर (00005)	596/1	हदीश मोहम्मद मो रिजवान अंसारी साधना कुशवाहा	भूमिस्वामी - कृषि भूमि	0.2000	0.2000	हाँ (डीसीएस द्वारा प्राप्त)	0.2000
17	भैयाथान	सोनपुर (00005)	596/2	हदीश मोहम्मद मो रिजवान अंसारी साधना कुशवाहा	भूमिस्वामी - कृषि भूमि	0.2000	0.2000	हाँ (डीसीएस द्वारा प्राप्त)	0.2000
18	भैयाथान	सोनपुर (00005)	672/1	हदीश मोहम्मद मो रिजवान अंसारी साधना कुशवाहा	भूमिस्वामी - कृषि भूमि	0.8600	0.8000	हाँ (डीसीएस द्वारा प्राप्त)	0.8000
19	भैयाथान	सोनपुर (00005)	673/2	हदीश मोहम्मद मो रिजवान अंसारी साधना कुशवाहा	भूमिस्वामी - कृषि भूमि	0.0800	0.0400	हाँ (डीसीएस द्वारा प्राप्त)	0.0400
20	भैयाथान	सोनपुर (00005)	677/1	हदीश मोहम्मद मो रिजवान अंसारी साधना कुशवाहा	भूमिस्वामी - कृषि भूमि	0.0700	0.0700	हाँ (डीसीएस द्वारा प्राप्त)	0.0700
21	भैयाथान	सोनपुर (00005)	686	हदीश मोहम्मद मो रिजवान अंसारी साधना कुशवाहा	भूमिस्वामी - कृषि भूमि	0.0700	0.0700	हाँ (डीसीएस द्वारा प्राप्त)	0.0700

जब जमीन पर था तीन बैंकों का कर्ज, तो रजिस्ट्री कैसे हुई?, ठगी आरोपी के पिता की पूरी जमीन ट्रांसफर,धान खरीदी और बैंक सिस्टम पर उठे गंभीर सवाल

फार्मर पोर्टल से बड़ा खुलासा

दैनिक घटती घटना के पास उपलब्ध Farmer Information Portal के आधिकारिक दस्तावेज में स्पष्ट रूप से दर्ज है कि ग्रामः सोनपुर (00005), तहसीलः भैयाथान जिलाः सूरजपुर पहले भूमि स्वामीः जरीफ उल्ला, अब दर्ज भू-स्वामीः हदीस मोहम्मद,रिजवान अंसारी,साधना कुशवाहा नाम हो गई है।

जमानत मिलते ही जमीन गायब...

जानकारी के अनुसार अशफाक उल्ला पर कई करोड़ की ठगी के मामले दर्ज हैं,उसके पिता जरीफ उल्ला भी सह-आरोपी हैं,लंबे समय बाद पिता-पुत्र दोनों को जमानत मिली,जमानत अवधि के दौरान अशफाक फरार हो गया,उसी दौरान नवंबर 2025 में जरीफ उल्ला ने अपनी सारी कृषि भूमि बेच दी, आज स्थिति यह है कि पिता जेल में है,बेटा फरारी पर और पूरी जमीन तीन नए लोगों के नाम हो चुकी है।

7.7 एकड़ जमीन एक साथ ट्रांसफर...

राजस्व रिकॉर्ड के अनुसार निम्न खसरों की जमीन स्थानांतरित हुईः 397,398/1,496/2,497/1,591/3,595/1,595/6,595/7, 596/1,596/2,672/1,673/2,677/1, 686, कुल रकबाः लगभग 3.13 हेक्टेयर (करीब 7.7 एकड़ कृषि भूमि) यह कोई मामूली संपत्ति नहीं बल्कि करोड़ों की कृषि भूमि है।

तीन बैंकों के कर्ज के बावजूद रजिस्ट्री...

सबसे चौंकाने वाला पहलू यह है कि जरीफ उल्ला की इस जमीन पर पहले से HDFC बैंक,जिला सहकारी बैंक, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक तीनों का ऋण दर्ज था, प्रश्न यह है कि बिना ऋण मुक्त प्रमाण पत्र,बिना बैंक अनुमति,बिना बंधक हटाए,रजिस्ट्री आखिर किस आधार पर हुई? यह सीधे तौर पर बैंक धोखाधड़ी का मामला बनता है।

धान बोया जरीफ ने, बेचा नए मालिकों ने...

मामले में एक और गंभीर विसंगति सामने आई है फसल की बुआई अगस्त 2025,जमीन की बिक्री नवंबर 2025 यानि जिस किसान ने फसल बोई, वह जमीन बेच चुका था,लेकिन फार्मर पोर्टल में दर्ज है कि 'हाँ (डीसीएस द्वारा प्राप्त)' अर्थात फसल का भौतिक सत्यापन हुआ, धान खरीदी स्वीकृत हुई और 205 क्विंटल धान शिवप्रसादनगर धान खरीदी केंद्र में नए भू-स्वामियों के खाते में खरीदा गया, जबकि नियम कहता है कि फसल बेचने का अधिकार उसी किसान को होता है जिसने फसल बोई हो,यह नियम आम किसानों पर सख्ती से लागू होता है, लेकिन इस मामले में पूरी व्यवस्था मौन दिखाई दी।

सत्ता, पद और प्रभाव का खेल?

स्थानीय किसानों का कहना है कि मामूली नाम त्रुटि पर धान रिजेक्ट हो जाता है,आधार-खाता-खसरा नहीं मिले तो खरीदी नहीं होती,लेकिन यहां, जमीन हस्तांतरण के तुरंत बाद,बिना फसल प्रविष्टि के,बिना पुराने किसान की सहमति के धान खरीदी कर ली गई,किसके आदेश पर? यह सवाल अब पूरे धान खरीदी सिस्टम पर खड़ा हो गया है।

क्या यह ठगी की रकम को बचाने की साजिश थी?

सूत्रों का दावा है कि यह जमीन सामान्य बिक्री नहीं बल्कि अपराध से अर्जित धन को सुरक्षित करने का तरीका थी,ताकि पीड़ित पैसा वसूल न कर सकें,अदालत संपत्ति कुर्क न कर पाए,आरोपी परिवार कागजों में भूमिहीन बन जाए,यदि यह सत्य है,तो यह मामला सीधे मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के अंतर्गत आता है।

अब यह केवल ठगी नहीं यह प्रकरण अब शामिल करता है...

- करोड़ों की ठगी- बैंक ऋण घोटाला
- अपराध से अर्जित संपत्ति का अंतरण
- धान खरीदी नियम उल्लंघन
- राजस्व रिकॉर्ड में गंभीर अनियमितता
- संभावित मनी लॉन्ड्रिंग

अब सबसे बड़े सवाल

- क्या जरीफुल्ला ने जमीन बेचकर पीड़ितों का पैसा लौटाया?
- क्या यह जमीन ठगी की रकम से खरीदी गई?
- बैंक ऋण रहते पंजीयन कैसे संभव हुआ?
- धान खरीदी नियमों का उल्लंघन किसके आदेश पर हुआ?
- क्या यह पूरी प्रक्रिया शिकायतकर्ताओं को अधिकार से वंचित करने की साजिश थी?

प्रशासनिक जांच की मांग तेज स्थानीय नागरिकों व पीड़ितों ने मांग की है कि

- जमीन तत्काल कुर्क की जाए
- बिक्री की पूरी प्रक्रिया रद्द हो
- बैंक एनओसी की जांच हो
- धान खरीदी अधिकारियों की भूमिका जांची जाए
- श्रष्ठ, श्रह्ङ्क एवं आर्थिक अपराध शाखा से जांच कराई जाए

सबसे बड़ा सवाल अब भी कायम

यदि जरीफुल्ला ने करोड़ों की जमीन बेची, तो ठगी पीड़ितों का पैसा कहां गया? जब पिता जेल में है, बेटा फरार है, और जमीन दूसरों के नाम है तो न्याय आखिर मिलेगा किसे?

पूर्व भूमि स्वामी

जरीफुल्ला

(अशफाक उल्ला - ठगी आरोपी का पिता)

वर्तमान भू-स्वामी (रिकॉर्ड अनुसार)

हदीस मोहम्मद

रिजवान अंसारी

साधना कुशवाहा

--- ऋणित खसरे की जानकारी ---

स.क.	बैंक का नाम	बैंक में बंधक?	ऋण समाप्त?	ऋण देने के पश्चात पटवारी ने कैफियत में संशोधन किया है?	कैफियत संशोधन पश्चात डिजिटल हस्ताक्षर हुआ है?
1	CHHATTISGARH RAJYA GRAMIN BANK	YES ✓	✗	YES ✓	YES ✓
2	HDFC BANK	YES ✓	✗	YES ✓	YES ✓
3	JILA SAHAKARI KENDRIYA BANK AMBIKAPUR	YES ✓	✗	YES ✓	YES ✓

40 करोड़ का तंबाकू ऐड ठुकराने पर सुनील शेट्टी ने तोड़ी चुप्पी,कहा... किसी की हिम्मत नहीं हुई कि...

सुनील शेट्टी ने कभी तंबाकू वगैरह का ऐड नहीं किया है। वह इस तरह की चीजों को प्रमोट करने से भी बचते हैं। हाल ही में ऐसी खबर आई थी कि एक्टर ने 40 करोड़ का ऑफर ठुकरा दिया है। अब एक्टर ने 40 करोड़ का ऑफर ठुकराने पर बात की है।

फिल्मों के अलावा सितारे ऐड के जरिए भी खूब नोट छापते हैं। कुछ सितारे तो तंबाकू का भी ऐड करते हैं जिलके लिए उन्हें आलोचना भी सहनी पड़ती है। मगर सुनील शेट्टी उनमें से नहीं हैं। सुनील शेट्टी ने कभी भी तंबाकू समेत ऐसे ऐड नहीं किए जो सेहत के लिए ठीक नहीं हैं।

हाल ही में सुनील शेट्टी ने बताया कि उन्होंने आखिर क्यों इस तरह के ऐड्स करने से मना किया। साथ ही उन्होंने 40 करोड़ का ऑफर ठुकराने का भी कारण बताया।

तंबाकू के ऐड से इसलिए दूर रहते हैं सुनील शेट्टी

पीपिंग मून के साथ बातचीत में सुनील शेट्टी ने रिवील किया कि वह अपनी हेल्थ की वजह से तंबाकू ऐड जैसे ऑफर्स को ठुकराते हैं। उन्होंने कहा, मैं अपनी हेल्थ की वजह से ही सब कुछ हूं। यह मेरा शरीर ही है जिसने मुझे फिल्म इंडस्ट्री में मौका दिया। अगर मैं इसकी कद्र नहीं करूंगा तो मैं अपने साथ अन्याय करूंगा। मैं अपने बच्चों के लिए क्या विरासत छोड़ रहा हूं? हो सकता है कि आज मैं सिनेमा या बॉक्स ऑफिस के मामले में उतना पॉपुलर न रहूं लेकिन मुझे आज भी 17 से 20 साल के यंग लोगों से बहुत प्यार और सम्मान मिलता है।

बॉर्डर एक्टर सुनील शेट्टी को एक बार 40 करोड़ रुपये का तंबाकू ऐड ऑफर किया गया था लेकिन एक्टर ने इसे करने से इनकार कर दिया था। इस बारे में उन्होंने कहा, क्या आपको सच में लगता है कि मैं इसके झांसे में आ जाऊंगा? मैं नहीं आऊंगा। हो सकता है मुझे उस पैसे की जरूरत हो,लेकिन मैं ऐसा कुछ भी करने से मना करता हूं जिस पर मुझे विश्वास नहीं है क्योंकि इससे मेरे बच्चों,अहान,अथिया, राहुल और मेरे आस-पास के सभी लोगों की इज्जत खराब होगी। उसके बाद किसी की हिम्मत नहीं हुई कि मुझसे कॉन्टैक्ट करे।

बूढ़े अंकल ने मेरी कमर...

मौनी रॉय के साथ हरियाणा में हुई बदतमीजी... एक्ट्रेस ने लगाया अश्लीलता करने का आरोप...

अभिनेत्री मौनी रॉय मौनी रॉय ने हाल ही में हरियाणा के करनाल में एक कार्यक्रम के दौरान हुई परेशान करने वाली घटना शेयर की है। उन्होंने बताया कि वहां मौजूद कुछ लोगों, जिनमें बुजुर्ग पुरुष भी शामिल थे,जिन्होंने अनुचित तरीके से उन्हें छुआ और भद्दे कमेंट्स पास किए।

अभिनेत्री मौनी रॉय हाल ही में हरियाणा के करनाल में एक इवेंट में गई थी। एक्ट्रेस ने वहां से एक बेहद परेशान करने वाली घटना के बारे में बात की है। मौनी ने बताया कि वहां मौजूद लोगों, जिनमें बुजुर्ग पुरुष भी शामिल थे ने कथित तौर पर उन्हें अनुचित तरीके से छुआ और भद्दे कमेंट्स पास किए।

मौनी ने एक लंबी चौड़ी इंस्टा स्टोरी के जरिए इस बारे में बात की। मौनी ने बताया कि उनके बार-बार मना करने के बावजूद उन पर गुलाब के फूल फेंके गए। एक्ट्रेस ने बताया कि इससे उन्हें बहुत ही ज्यादा अपमानित महसूस हुआ और वो अभी भी मानसिक तौर पर उससे बाहर नहीं आ पाई हैं।

मौनी के साथ हुई छेड़छाड़

मौनी रॉय ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर इस घटना के बारे में बात करते हुए लिखा, पिछले हफ्ते करनाल में एक कार्यक्रम था और मैं वहां के लोगों के व्यवहार से बेहद निराश हूं, खासकर दो अंकल जो हमारे दादा-दादी की उम्र के होंगे बहुत ही गलत व्यवहार कर रहे थे। जैसे ही कार्यक्रम शुरू हुआ और मैं मंच की ओर बढ़ी, अंकल और परिवार के सदस्य जिसमें सभी पुरुष थे मेरी ओर तस्वीरें खींचने के लिए बढ़े और मेरी कमर पर हाथ रखा। जब मैंने उनसे कहा सर, कृपया अपना हाथ हटा लें, तो उन्हें यह बिल्कुल पसंद नहीं आया।

अंकल ने किए गंदे इशारे : मौनी

मौनी ने कहा कि स्टेज पर पहुंचते ही बात और बिगड़ गई। उन्होंने आगे लिखा - दो अंकल ठीक मेरे सामने खड़े होकर अश्लील कमेंट कर रहे थे, मुझे अश्लील इशारे कर रहे थे और गालियां दे रहे थे। मुझे इसका एहसास हुआ और मैंने पहले तो विनम्रता से उन्हें ऐसा न करने का इशारा किया,जिस पर उन्होंने मुझ पर गुलाब फेंकना शुरू कर दिया। तभी परफॉर्मेंस के बीच में मैं मंच से बाहर जाने लगी, लेकिन तुरंत वापस आकर अपनी परफॉर्मेंस पूरी की। इसके बाद भी वे नहीं रुके और न ही किसी परिवार वाले या आयोजकों ने उन्हें आगे से हटाया।

मौनी रॉय ने महिलाओं के लिए जताई चिंता

इसके साथ ही एक्ट्रेस ने छोटी बच्चियों और वहां रहने वाली महिलाओं को लेकर चिंता जताई। मौनी ने लिखा-अगर मुझ जैसी किसी को यह सब झेलना पड़ रहा है,तो मैं कल्पना भी नहीं कर सकती कि नई लड़कियां जो काम करना और शो करना शुरू करती हैं,उन पर क्या बीतती होगी। मैं अपमानित और सदमे में हूं और चाहती हूं कि अधिकारी इस असहनीय व्यवहार के खिलाफ कार्रवाई करें।

डर नहीं दहशत हूं... इस दिन थिएटर्स में दहाडेंगे शाह रुख खान रिलीज डेट का ऐलान

शाह रुख खान की मोस्ट अवेटेड एक्शन थ्रिलर किंग की रिलीज डेट का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। अब आखिरकार इसकी रिलीज डेट का ऐलान कर दिया गया है वो किंग खान के खास अंदाज के साथ। शाहरुख खान की सबसे ज्यादा इंतजार वाली फिल्म किंग का इंतजार अब खत्म होने वाला है, क्योंकि फिल्म के मेकर्स ने शनिवार को इसकी रिलीज डेट अनाउंस कर दी है। बॉलीवुड के किंग खान के कमबैक हमेशा शानदार होते हैं और इस फिल्म की रिलीज डेट के अनाउंसमेंट पर इसकी एक शानदार झलक भी देखने को मिली। जब 2018 में एसआरके की फिल्म जीरो फ्लॉप हुई थी, तो उन्होंने पांच साल का ब्रेक लिया था। दर्शक उनकी फिल्में देखने के लिए बेताब थे। लेकिन जब वह वापस आए, तो उन्होंने लगातार तीन सुपरहिट फिल्में दीं- पठान, जवान और डंकी। ये तीनों फिल्में 2023 में रिलीज हुई थीं और अब वे किंग के साथ दहशत फैलाने के लिए तैयार हैं।

दर्शकों को था बेसब्री से इंतजार

पिछले तीन सालों से शाहरुख खान अपनी आने वाली फिल्मों की तैयारी में बिजी थे। इसलिए, इस साल की उनकी सबसे ज्यादा इंतजार वाली फिल्मों में से एक किंग है। फिल्म का टाइटल रिवील वीडियो एक्टर के जन्मदिन पर रिलीज किया गया था और उसे बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। अब फैंस बस फिल्म की रिलीज डेट का इंतजार कर रहे हैं। अब सिद्धार्थ आनंद ने आखिरकार सुहाना खान और स्क्रिप्त की फिल्म की ऑफिशियल रिलीज डेट अनाउंस कर दी है।

थिएटर में कब दस्तक देगी किंग

शाह रुख अनाउंसमेंट वीडियो में जबरदस्त एक्शन के साथ सामने आए। कांच तोड़कर उन्होंने जोरदार एंट्री की और बैकग्राउंड में उनका शानदार डायलॉग था- डर नहीं दहशत हूं। वीडियो के साथ कैप्शन लिखा,किंग थिएटर्स में 24.12.2026 को दहाड़ने के लिए तैयार है। यानि किंग इसी साल क्रिसमस के मौके पर रिलीज होने के लिए तैयार है।

किंग के बारे में

शाहरुख खान की किंग एक गैंगस्टर ड्रामा है जिसमें वह दीपिका पादुकोण के साथ नजर आएंगे। यह उनका साथ में छठा प्रोजेक्ट है। सुहाना खान इस फिल्म से बड़े पर्दे पर डेब्यू कर रही हैं। फिल्म में अभिषेक बच्चन, रानी मुखर्जी, अनिल कपूर, अरशद वारसी और राघव जुयल भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

खेल समाचार

वर्ल्ड कप का बॉयकॉट करने की वजह से बांग्लादेश क्रिकेट को गंभीर नतीजे भुगतने पड़ेंगे

नई दिल्ली,24 जनवरी 2026। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को भारत में टी 20 वर्ल्ड कप का बॉयकॉट करने के गंभीर नतीजे भुगतने पड़ेंगे। देश के बोर्ड को अमीर बीसीसीआई के खिलाफ जाने और आईसीसी की रिक्वेस्ट को नज़रअंदाज़ करने के कारण आने वाले दिनों में भारी नुकसान होगा। बोर्ड को इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल से मिलने वाली 240 करोड़ रुपये की सालाना इनकम का नुकसान होगा। इसके अलावा, एनालिस्ट्स का कहना है कि स्पॉन्सर और ब्रॉडकास्टर शायद बांग्लादेश बोर्ड का चेहरा भी न देखें।

बांग्लादेश टी 20 वर्ल्ड कप में नहीं खेल रहा है, जिसे 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका मिलकर होस्ट कर रहे हैं। आईसीसी ने टीम को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया है क्योंकि उन्हें सुरक्षा कारणों से भारत में न खेलने के लिए कहा गया था। रैंकिंग के आधार पर बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को जगह दी गई है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को भारत में वर्ल्ड कप का बॉयकॉट करने की भारी कीमत चुकानी पड़ी है। ऐसा लगता है कि देश के बोर्ड को अब से मुश्किल समय का सामना करना पड़ेगा। क्योंकि...आईसीसी के साथ मतभेदों के कारण, बीसीबी को 240 करोड़ रुपये का रेवेन्यू नहीं मिलेगा जो उसे हिस्से के तौर पर मिलना था। द्विपक्षीय सीरीज़ के लिए ब्रेक...सुरक्षा कारणों से भारत में वर्ल्ड कप न खेलने का बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड का फैसला उनके लिए एक अभिशाप साबित होगा। अब से, बीसीसीआई बांग्लादेश बोर्ड के साथ वैसा व्यवहार नहीं कर पाएगा जैसा वह पाकिस्तान बोर्ड के साथ करता है। भारतीय टीम पहले की तरह उस देश के साथ द्विपक्षीय सीरीज़ नहीं खेल पाएगी। एक और ज़रूरी बात यह है कि भारत सिर्फ़ आईसीसी इवेंट्स जैसे वर्ल्ड कप और चैंपियंस ट्रॉफी, और एशियन क्रिकेट काउंसिल द्वारा आयोजित एशिया कप में ही बांग्लादेश का सामना करेगा। वह भी शायद न्यूट्रल वेन्यू पर होगा। मौजूदा हालात को देखते हुए, अगस्त-सितंबर में व्हाइट-बॉल सीरीज़ के लिए भारतीय टीम का बांग्लादेश दौरा रद्द कर दिया जाएगा।

इंग्लैंड ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए कैनसस सिटी को ट्रेनिंग बेस चुना

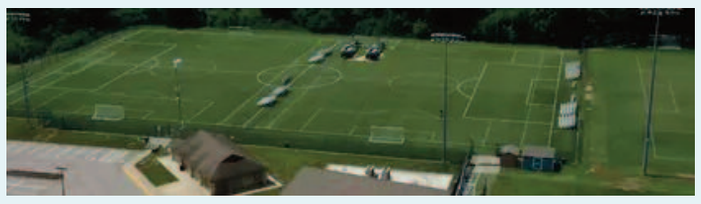

लंदन,24 जनवरी 2026। इंग्लैंड फुटबॉल टीम के फीफा वर्ल्ड कप 2026 के दौरान कैनसस सिटी में रहने की संभावना है, फुटबॉल एसोसिएशन ने गवर्निंग बॉडी से औपचारिक रूप से टूर्नामेंट के लिए टीम के प्राइमरी ट्रेनिंग बेस के तौर पर स्वोप सॉकर विलेज देने का अनुरोध किया है। स्वोप सॉकर विलेज, जो मिसौरी में एक अत्याधुनिक सुविधा है, को इंग्लैंड के पसंदीदा डेली ट्रेनिंग वेन्यू के रूप में चुना गया है। हालांकि फीफा ने अभी तक भाग लेने वाले देशों के लिए फाइनल बेस कैंप की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की है, लेकिन बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, इंग्लैंड को अपना पसंदीदा वेन्यू मिलने की संभावना है। इंग्लैंड की टीम को ग्रुप एल में रखा गया है और वह अपने ग्रुप-स्टेज मैच यूनाइटेड स्टेट्स के कई वेन्यू पर खेलेगी। इंग्लैंड 17 जून को अर्लिंग्टन, टेक्सास में क्रोएशिया का सामना करेगा, इसके बाद 23 जून को बोस्टन के पास फॉक्सबोरो में घाना और 27 जून को ईस्ट रदरफोर्ड,न्यू जर्सी में पनामा से खेलेगा। उम्मीद है कि टीम ग्रुप स्टेज के दौरान हर मैच वेन्यू पर उड़ान भरेगी और हर मैच के बाद कैनसस सिटी लौट आएगी। हेड कोच थॉमस ट्यूशेल,जिन्होंने इंग्लैंड को वैश्विक सफलता दिलाने के इरादे से पद संभाला है,टीम के लॉन्जि स्टिक्स-भारी अभियान की देखरेख करेंगे। हालांकि, यह अभी भी अनिश्चित है कि अगर इंग्लैंड नॉकआउट चरणों में आगे बढ़ता है तो क्या वह मिसौरी से ही काम करना जारी रखेगा, क्योंकि यात्रा की मांगों के कारण बेस में बदलाव हो सकता है। कैनसस सिटी जाने से पहले, इंग्लैंड फ्लोरिडा में एक प्री-टूर्नामेंट ट्रेनिंग कैंप आयोजित करेगा। इस कैंप में दो वार्म-अप मैच शामिल होंगे, जिनका मकसद 48-टीम वाले वर्ल्ड कप से पहले टीम को स्थानीय परिस्थितियों और जलवायु के अनुकूल बनाने में मदद करना है, जिसकी मेजबानी संयुक्त रूप से यूनाइटेड स्टेट्स, कनाडा और मैक्सिको करेंगे। यह मेगा टूर्नामेंट 11 जून को शुरू होगा और फाइनल 19 जुलाई को होगा।

अंडर-19 वर्ल्ड कप में भारत की लगातार तीसरी जीत

न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराया आयुष म्हात्रे की फिफ्टी, अंबरीश को 4 विकेट

बुलावायो,24 जनवरी 2026। भारत ने जिम्बाब्वे के बुलावायो में चल रहे अंडर-19 वर्ल्ड कप में लगातार तीसरी जीत दर्ज की। टीम ने शनिवार को न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराया। भारतीय टीम ने 130 रन का संशोधित लक्ष्य 13.3 ओवर में 3 विकेट पर हासिल कर लिया।

कप्तान आयुष म्हात्रे ने 27 बॉल पर 53 रन की पारी खेली। उनकी पारी में 2 चौके और 6 छक्के शामिल रहे। आयुष के अलावा, वैभव सूर्यवंशी ने 23 बॉल पर 40 रन बनाए। उन्होंने 2 चौके और 3 छक्के लगाए। दोनों में फिफ्टी पार्टनरशिप हुई।

टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम 36.2 ओवर में 135 रन पर ऑलआउट हो गई। आरएस अंबरीश ने 4 विकेट झटके। जबकि हेनिल पटेल को 3 विकेट मिले। न्यूजीलैंड से कैलम सैमसन ने नाबाद 37 और सेल्विन संजय ने 28 रन की पारियां खेलीं। दोनों ने 8वें विकेट के लिए 53 रन की साझेदारी की।

बारिश के कारण 37-37 ओवर का मैच

न्यूजीलैंड ने भारत को 136 रन का टारगेट दिया था, जिसे रिवाइज्ड करके 130 रन कर दिया गया। क्योंकि, बारिश के कारण मैच देरी से शुरू हुआ। फिर इसे रोकना भी पे ा था।

वैभव ने सरफराज खान को पीछे छोड़ा

वैभव सूर्यवंशी ने अंडर-19 में भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर्स की सूची में सरफराज खान को पीछे छो दिया है। वैभव अब छठे नंबर पर हैं। वैभव के नाम 1087 रन हो गए हैं। जबकि सरफराज के नाम 1080 रन हैं।

दोनों टीमों की प्लेइंग-इलेवन

भारत- आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, एरोन जॉर्ज, विहान मल्होत्रा, वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, मोहम्मद इनान, हेनिल पटेल, खिलन पटेल।

न्यूजीलैंड- टॉम जोन्स (कप्तान), आर्यन मान, ह्यूगो बोग, स्नेहित रेड्डी, मार्को विलियम एल्पे (विकेटकीपर), जैकब कॉटर, जसकरन संधू, कैलम सैमसन, फ्लिन मोरे, सेल्विन संजय, मेसन क्लार्क।

स्वियाटेक ने कालिंस्काया को हराकर राउंड ऑफ 16 में जगह बनाई

मेलबोर्न,24 जनवरी 2026। रूसी अन्ना कालिंस्काया ने वर्ल्ड नंबर 2 इगा स्वियाटेक को कड़ी टक्कर दी,जिसके बाद स्वियाटेक ने शनिवार को मार्गरेट कोर्ट एरिना में 6-1, 1-6, 6-1 से जीत हासिल की और ऑस्ट्रेलियन ओपन के चौथे राउंड में पहुंच गईं। स्वियाटेक ने अपने अनिश्चित दूसरे सेट से जोरदार वापसी करते हुए 1 घंटे और 44 मिनट में जीत हासिल की, और करियर ग्रैंड स्लैम की तलाश में अपनी लय बनाए रखी। दूसरी वरीयता प्राप्त पोलिश खिलाड़ी अपने शानदार फॉर्म में थीं, उन्होंने डबल ब्रेक के साथ जल्दी ही 5-1 की बढ़त बना ली और सिर्फ 24 मिनट में पहला सेट जीतकर खराब फॉर्म में चल रही कालिंस्काया पर हावी हो गईं, जिन्हें ब्रेक के दौरान अपनी पीठ के निचले हिस्से का इलाज करवाना पड़ा। हालांकि, दूसरे सेट में स्थिति पलट गई और छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्वियाटेक ने तीन बार अपनी सर्विस गंवा दी, क्योंकि कालिंस्काया ने नियंत्रण हासिल कर लिया और पोलिश खिलाड़ी की कई गलतियों का फायदा उठाया। स्वियाटेक ने दूसरे और तीसरे सेट के बीच मेडिकल टाइमआउट लिया और फिर जोरदार वापसी करते हुए लगातार पांच गेम जीतकर कालिंस्काया के प्रतिरोध को खत्म कर दिया।

उनकी तारीफ करनी होगी कि 31वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने अपनी सर्विस बचाई और स्वियाटेक को तीन ब्रेक पॉइंट बचाने पर मजबूर किया, लेकिन यह बहुत कम और बहुत देर हो चुकी थी, क्योंकि पोलिश खिलाड़ी ने सर्विस बचाकर मैच जीत लिया। छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्वियाटेक ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर करियर स्लैम हासिल करने की कोशिश कर रही हैं। दो बार की सेमी-फाइनलिस्ट का इस टूर्नामेंट में 25-7 का रिकॉर्ड है, और यह छठी बार है जब वह ऑस्ट्रेलियन ग्रैंड स्लैम में कम से कम चौथे राउंड में पहुंची हैं। कुल मिलाकर, ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में पोलिश खिलाड़ी का जीत-हार का रिकॉर्ड अब 107-21 है। पोलिश स्टार ने पहले सेट में शानदार सर्विस गेम के साथ दबदबा बनाया, लेकिन कालिंस्काया ने अपने ही अंदाज में 6-1 से दूसरा सेट जीतकर जवाब दिया, आत्मविश्वास से सर्विस की और आक्रामक फोरहैंड से मैच को नियंत्रित किया। निर्णायक सेट में, स्वियाटेक ने फिर से नियंत्रण हासिल किया, लगातार छह गेम जीतकर और तेज सर्विस और लगातार दबाव बनाकर मैच अपने नाम कर लिया।

दो बार की चैंपियन ओसाका तीसरे दौर से हटीं

मेलबर्न,24 जनवरी 2026। दो बार की ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन नाओमी ओसाका ने शनिवार को अपने तय तीसरे राउंड के मैच से पहले फिटनेस प्रॉब्लम के कारण ग्रैंड स्लैम से नाम वापस ले लिया है। उनकी विरोधी, ऑस्ट्रेलियाई मैडिसन इंग्लिस को चौथे राउंड में वॉकओवर मिल गया है। जापानी 16वीं सीड ओसाका, जो मेलबर्न पार्क में 2019 और 2021 की विनर हैं,ने सोशल मीडिया पर कहा कि सोराना क्रिस्टिया के खिलाफ पिछले मैच के बाद उनके शरीर को ध्यान देने की ज़रूरत है,लेकिन उन्होंने इस बारे में ज़्यादा कुछ नहीं बताया। उन्होंने लिखा,पिछले मैच के बाद मेरे शरीर को जिस चीज़ पर ध्यान देने की ज़रूरत है,उसे ठीक करने के लिए मुझे नाम वापस लेने का मुश्किल फैसला लेना पड़ा है। मैं आगे बढ़ने के लिए बहुत उत्साहित थी और यह रन मेरे लिए सबसे ज़्यादा मायने रखता था, इसलिए यहां रुकना मेरे दिल को तोड़ रहा है, लेकिन मैं और नुकसान का जोखिम नहीं उठा सकती ताकि मैं कोर्ट पर वापस आ सकूं।

पाकिस्तान ने अभी वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने पर फैसला नहीं किया

नई दिल्ली,24 जनवरी 2026। टी 20 वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले नाटकीय घटनाक्रम हो रहे हैं,जिसकी मेज़बानी भारत और श्रीलंका मिलकर कर रहे हैं। आईसीसी ने भारत में न खेलने की ज़िद के कारण बांग्लादेश को सस्पेंड कर दिया है। अप्रत्याशित रूप से,ग्रूप सी में उस टीम की जगह स्कॉटलैंड को मौका दिया गया है। हालांकि...अब पाकिस्तान के भी वर्ल्ड कप में खेलने पर संदेह है। इसका कारण देश के क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी की हालिया टिप्पणियां हैं, जो हमेशा बीसीसीआई और भारत पर ज़हर उगलते रहते हैं।

इस साल का छोटा वर्ल्ड कप 7 फरवरी से शुरू होगा। आईसीसी ने मेज़बान देशों, भारत और श्रीलंका में वेन्यू पहले ही फाइनल कर दिए हैं। लेकिन...बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की शेड्यूल बदलने की ज़िद... आखिरकार तब हुई जब स्कॉटलैंड ने जगह पक्की कर ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड, जिसने भारत में न खेलने के फैसले में बांग्लादेश बोर्ड का साथ दिया था, अब वर्ल्ड कप का बहिष्कार करने की योजना बना रहा है। मोहसिन नकवी ने शनिवार को कहा, क्या हमें पाकिस्तान को टी 20 वर्ल्ड कप में भेजना चाहिए? या नहीं? यह अभी तय नहीं हुआ है। बीसीबी सरकार के आदेशों के अनुसार काम कर रहा है।

CMYK

राजधानी रायपुर में भारी बवाल...शिक्षा मंत्री के निवास घेराव के दौरान तीखी झड़प

रायपुर,24 जनवरी 2026। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर एक बार फिर विरोध प्रदर्शनों का केंद्र बन गई है। शनिवार को डीएड प्रशिक्षित सहायक शिक्षक अभ्यर्थियों ने अपनी लंबित नियुक्तियों की मांग को लेकर शिक्षा मंत्री के निवास का घेराव करने की कोशिश की। प्रदर्शनकारी शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने पहुंचे थे, लेकिन माहौल तब तनावपूर्ण हो गया जब पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए बैरिकेडिंग का सहारा लिया। अभ्यर्थियों और पुलिस बल के बीच जमकर धक्का-मुक्की हुई,जिसके बाद पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। इस कार्रवाई ने प्रदेश की सियासत में हलचल पैदा कर दी है और इसे सत्ता की 'संवेदनहीनता' करार दिया जा रहा है। प्रदर्शन कर रहे डीएड अभ्यर्थियों का मुख्य आरोप है कि वे चयन प्रक्रिया के सभी मापदंडों को पूरा कर चुके हैं, इसके बावजूद विभाग उन्हें नियुक्ति पत्र देने में आनाकानी कर रहा है। अभ्यर्थियों का कहना है कि उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय के विभिन्न आदेशों के बाद भी उनकी स्थिति स्पष्ट नहीं की जा रही है। लंबे समय से बेरोजगारी की मार झेल रहे इन युवाओं का धैर्य अब जवाब दे रहा है। अभ्यर्थियों ने चेतावनी दी है कि जब तक उन्हें ठोस आश्वासन और ज्वाइनिंग की तारीख नहीं मिल जाती, उनका आंदोलन जारी रहेगा।

दुर्ग में श्रेया हॉस्पिटल के संचालक और ड्यूटी ऑफिसर गिरफ्तार,मृत महिला को जीवित बताकर दूसरे हॉस्पिटल रेफर करने को आरोप

दुर्ग,24 जनवरी 2026। दुर्ग जिले के धमधा स्थित श्रेया हॉस्पिटल के संचालक मनीष राजपूत और ड्यूटी ऑफिसर डॉ अभिषेक पांडे को धमधा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दोनों पर ही आरोप है कि उनके हॉस्पिटल में भर्ती एक मरीज की मौत के बाद भी उसे जीवित बताते हुए बिना परिजनों के अनुमति के उसे भिलाई के शंकराचार्य हॉस्पिटल रेफर कर दिया। शंकराचार्य हॉस्पिटल में जांच के बाद डॉक्टरों ने उक्त महिला मरीज को मृत घोषित कर दिया था। जिसके बाद श्रेया हॉस्पिटल के द्वारा भेजे गए स्टॉप वहां से रफू चक्कर हो गए थे, जिसके बाद शंकराचार्य हॉस्पिटल के द्वारा उक्त महिला को लावारिश करार देते हुए मर्चुरी भेज दिया। दूसरे दिन परिजनों को जानकारी होने पर जब शंकराचार्य हॉस्पिटल पहुंचे तो उनकी मां की इस स्थिति को जानने के बाद जिला प्रशासन से श्रेया हॉस्पिटल प्रबंधन के खिलाफ शिकायत दर्ज कराया था। जिला प्रशासन ने संज्ञान में आने के बाद श्रेया हॉस्पिटल के संचालन में पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगा दिया था।

चित्रोत्पला फिल्म सिटी छत्तीसगढ़ की रचनात्मक अर्थव्यवस्था को देगी नई गति : सीएम साय

रायपुर, 24 जनवरी 2026। छत्तीसगढ़ का बरसों पुराना सपना आज साकार हो गया है। चित्रोत्पला फिल्म सिटी तथा ट्राइबल एंड कल्चरल कन्वेंशन सेंटर के निर्माण से फिल्म निर्माण के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ को देश और दुनिया में एक नई पहचान मिलेगी। इस महत्वाकांक्षी पहल के माध्यम से छत्तीसगढ़ न केवल फिल्म निर्माण और सांस्कृतिक आयोजनों का एक प्रमुख केंद्र बनने की दिशा में अग्रसर होगा, बल्कि यह परियोजना राज्य की रचनात्मक अर्थव्यवस्था को भी नई गति प्रदान करेगी। चित्रोत्पला फिल्म सिटी और ट्राइबल एंड कल्चरल कन्वेंशन सेंटर के निर्माण से स्थानीय प्रतिभाओं को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मंच मिलेगा, निवेश के नए अवसर सृजित होंगे और छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान वैश्विक स्तर पर और अधिक सशक्त होगी। यह परियोजना आने वाले वर्षों में राज्य के युवाओं, कलाकारों और पर्यटन क्षेत्र के लिए विकास के नए द्वार खोलेगी।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर के ग्राम माना-तूता में चित्रोत्पला फिल्म सिटी तथा ट्राइबल एंड कल्चरल कन्वेंशन सेंटर के भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधिवत पूजा-अर्चना के साथ चित्रोत्पला फिल्म सिटी तथा ट्राइबल एंड कल्चरल कन्वेंशन सेंटर के निर्माण की आधारशिला रखी। इस ऐतिहासिक अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों, फिल्म कलाकारों, निर्माता-निर्देशकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज का दिन प्रदेश के अभिनय और कला जगत से जुड़े लोगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। चित्रोत्पला फिल्म सिटी के माध्यम से प्रदेश के हजारों हुनरमंद कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। स्थानीय फिल्म निर्माताओं को फिल्म निर्माण से जुड़ी सभी तकनीकी सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी। उन्होंने फिल्म सिटी एवं ट्राइबल एंड कल्चरल कन्वेंशन सेंटर के लिए केंद्र सरकार से प्राप्त सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार में प्रदेश की कला और कलाकारों को उचित सम्मान मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने भूमिपूजन के साथ ही फिल्म निर्माण और कन्वेंशन सेंटर से संबंधित विभाग को चार प्रस्ताव प्राप्त होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इससे प्रदेश में फिल्म निर्माण गतिविधियों को नई गति मिलेगी और छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े विषयों को बड़े पर्दे पर स्थान मिलेगा। संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि आज का यह अवसर छत्तीसगढ़ पर्यटन एवं फिल्म विकास उद्योग के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह केवल एक निर्माण परियोजना की शुरुआत नहीं है, बल्कि राज्य के सांस्कृतिक, आर्थिक और रचनात्मक भविष्य की सशक्त नींव है।

मुख्यमंत्री ने फिल्म सिटी के प्रस्तावित मास्टर प्लान का किया अवलोकन

चित्रोत्पला फिल्म सिटी एवं ट्राइबल एंड कल्चरल कन्वेंशन सेंटर के भूमिपूजन अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने परियोजना के प्रस्तावित मास्टर प्लान का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों से निर्माण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं तथा परियोजना पर आधारित एक लघु फिल्म भी देखी।

भाजपा नेताओं ने किया महिला डॉक्टर से अभद्र व्यवहार नाराज स्वास्थ्य कर्मियों ने ठप की स्वास्थ्य सेवाएं

कांकेर,24 जनवरी 2026। आज सिविल अस्पताल पखांजूर में स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह ठप है। क्योंकि स्वास्थ्य कर्मियों ने ओपीडी बंद कर दी है। जिससे इलाज की आस लेकर पहुंचे मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। घंटों से मरीज अस्पताल परिसर के बाहर बैठे रहे,लेकिन न कोई पूछने वाला और न ही कोई इलाज हो सका। अस्पताल के भीतर सन्नाटा पसरा रहा। इस हड़ताल की वजह बनी बीती रात की एक गंभीर घटना। जहां स्थानीय भाजपा नेताओं पर महिला स्वास्थ्य कर्मी से बदसलूकी और अस्पताल में ताला जड़ने के आरोप लगे हैं। जानिए क्या है पूरा मामला। पखांजूर का सिविल अस्पताल राजनीति का

शिकार होता नजर आ रहा है। बीती रात भाजपा के पखांजूर मंडल अध्यक्ष दीपांकर राय अपने समर्थकों के साथ अस्पताल पहुंचे। आरोप है कि स्टाफ की कमी और बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर जमकर हंगामा किया गया। इस दौरान एक महिला डॉक्टर से अभद्र व्यवहार किया गया और आक्रोश में आकर अस्पताल के मुख्य गेट में ताला तक जड़ दिया गया। हंगामे की सूचना मिलते ही तहसीलदार मौके पर पहुंचे और समझाइश के बाद ताला खुलवाया गया। लेकिन इस घटना से आहत स्वास्थ्य कर्मियों ने आज ओपीडी और इलाज सेवाएं बंद कर दी। इसका सीधा खामियाजा मरीजों को भुगतना पड़ा। इस पूरे घटनाक्रम ने विपक्ष को भी बैठे-बिठाए बड़ा मुद्दा दे दिया है।

कांग्रेस के पखांजूर मंडल अध्यक्ष राजदीप हालदार ने भाजपा पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि सत्ता में रहते हुए भाजपा के लोग खुद अपनी सरकार की व्यवस्था के खिलाफ सड़क पर उतर आए हैं। अस्पताल में ताला जड़ना इस बात का प्रमाण है कि स्वास्थ्य व्यवस्था कितनी बदहाल है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि कुछ दिन पहले ही कांग्रेस ने स्वास्थ्य सेवाओं को दुरुस्त करने के लिए 18 दिनों का आंदोलन किया था।

मंत्री गजेंद्र यादव ने ट्रैफिक नियम तोड़ा,बिना हेलमेट पहने दौड़ाई बाइक

दुर्ग,24 जनवरी 2026। जिले में सड़क सुरक्षा महीना चल रहा है। इस दौरान स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव बिना हेलमेट पहले बाइक चलाते दिखे। ऐसे ही शहर में घूमने रहे। उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर इसका वीडियो पोस्ट किया है। जिसके बाद सोशल मीडिया पर उनकी जमकर आलोचना हो रही है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि, जब आम नागरिकों पर ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन कराया जा रहा है, तो मंत्री और जनप्रतिनिधियों पर कार्रवाई क्यों नहीं होती? हेलमेट लगेगा तो बाहुबली का चांद का मुखड़ा नहीं दिखेगा न। इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर मंत्री गजेंद्र यादव की जमकर आलोचना हो रही है। सोशल मीडिया यूजर्स ने मंत्री गजेंद्र यादव के बिना हेलमेट बाइक चलाने पर गुस्सा जाहिर किया है। सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि,ट्रैफिक नियम क्या सिर्फ आम जनता के लिए ही हैं? दुर्ग पुलिस जहां आम लोगों के चालान तुरंत काट देती है,वहां एक मंत्री के बिना हेलमेट बाइक चलाने पर पुलिस की चुप्पी सवालों के घेरे में है। कई यूजर्स ने तंज कसते हुए लिखा कि, मंत्री जी हेलमेट तो लगा लेते, आप पर कौन करेगा कार्रवाई?

भारतमाला परियोजना मुआवजा घोटाला...गिरफ्तार 3 आरोपियों के खिलाफ प्रथम पूरक चालान पेश

शासन को 40 करोड़ रुपए का नुकसान पहुंचाने का आरोप...

रायपुर,24 जनवरी 2026। भारतमाला परियोजना मुआवजा घोटाला में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने गिरफ्तार 3 लोकसेवकों के खिलाफ आज विशेष न्यायालय (एसीबी), रायपुर में प्रथम पूरक चालान पेश किया है. इसमें बताया गया कि आरोपियों की वजह से शासन को 40 करोड़ रुपए का नुकसान उठाना पड़ा है। ज्ञात हो कि दिनेश पटेल (तत्कालीन पटवारी, हल्का नं. 49, ग्राम नायकबांधा),लेखराम देवांगन (तत्कालीन पटवारी,हल्का नं. 24, ग्राम टोकरो) एवं बसंती घृतलहरे (तत्कालीन पटवारी, ग्राम भेलवाडीह) को 29 अक्टूबर 2025 को गिरफ्तार किया गया था। ब्यूरो में पंजीबद्ध अपराध क्रमांक 30/2025 में धारा 7 सी, 12 भ्र.नि.अ. 1988 (संशोधित 2018) एवं धारा 409, 467, 471, 420, 120-बी भादवि के तहत प्रकरण दर्ज है। एसीबी ने पूरक चालान के जरिए बताया कि तीनों आरोपियों से संबंधित प्रकरणों में प्रथम दृष्टया शासन को कुल 39,65, 89,

257 की आर्थिक क्षति सामने आई है। प्रकरण में अन्य आरोपियों के विरुद्ध विवेचना जारी है। प्रकरण में दर्ज विभिन्न धाराओं में तहत लोकसेवक,मुआवजा प्राप्त करने वाले व्यक्ति एवं अन्य व्यक्तियों द्वारा आपराधिक षड्यंत्र कर भारतमाला परियोजना रायपुर- विशाखापट्टनम प्रस्तावित इकोनॉमिक कॉरिडोर के भू-अर्जन प्रकरण में शासन द्वारा अर्जित भूमि को पुनः शासन को विक्रय कर मुआवजा देने, निजी भूमि के गलत मुआवजा देने, बैकडेट में बटवारा एवं नामांतरण करने,भूमि स्वामी के बदले किसी अन्य को मुआवजा देने तथा निजी भूमि के गलत मुआवजा एवं उसके टुकड़े कर उपखंडों में विभाजित कर शासन को हानि कारित करने के आरोप हैं।

अभियुक्त दिनेश पटेल की भूमिका

तत्कालीन पटवारी हल्का नं. 49, ग्राम नायकबांधा दिनेश पटेल ने खाता दुरुस्ती/ प्रपत्र-10 / आपत्ति निराकरण आदि के माध्यम से प्रक्रिया में पद का दुरुपयोग किया। अवार्ड के समय अधिग्रहीत भूमि को कृत्रिम उपखण्डों में विभाजित दर्शाकर अधिक मुआवजा भुगतान की स्थिति बनाई गई। फलस्वरूप शासन को 30,82,14,868 रुपए की आर्थिक क्षति प्रथम दृष्टया परिलक्षित है।

अभियुक्त लेखराम देवांगन की भूमिका

तत्कालीन पटवारी (ग्राम टोकरो, हल्का नं. 24) लेखराम देवांगन ने खाता दुरुस्ती/प्रपत्र- 10 / भुगतान प्रतिवेदन आदि के माध्यम से प्रक्रिया में पद का दुरुपयोग किया। अवार्ड के समय 'मूल खसरों को कृत्रिम उपखण्डों में दर्शाकर वास्तविक देय राशि की तुलना में अत्यधिक मुआवजा भुगतान कराया गया। फलस्वरूप शासन को 27,16,26,925 रुपए की आर्थिक क्षति प्रथम दृष्टया परिलक्षित है। अभियुक्त बसंती घृतलहरे की भूमिका: तत्कालीन पटवारी (ग्राम भेलवाडीह) बसंती घृतलहरे ने 'मूल खसरों को अवार्ड चरण में कृत्रिम उपखण्डों में विभाजित दर्शाकर अधिक मुआवजा भुगतान की स्थिति बनाई।

छत्तीसगढ़ लिंगानुपात में देश में आया अव्वल,बेटियों के जन्म मन रहा उत्सव

रायपुर,24 जनवरी 2026। छत्तीसगढ़ ने बेटियों के मामले में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। देश में जन्म के समय लिंगानुपात छत्तीसगढ़ में बालिकाओं का जन्म के समय लिंगानुपात 929 (प्रति 1000 पुरुष) तक पहुंच गया है,यह आंकड़ा पूरे देश में सबसे अधिक है। यह उपलब्धि प्रदेश में बालिकाओं के जन्म को प्रोत्साहन देने वाली नीतियों,सुदृढ़ स्वास्थ्य सेवाओं और सामाजिक चेतना का प्रतिफल है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने उक्त जानकारी देते हुए आज बताया कि भारत सरकार के कन्या भ्रूण हत्या की रोकथाम एवं लिंगानुपात में सुधार के लिए गर्भाधान पूर्व एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक (पीसी पीएनडीटी) अधिनियम, 1994 लागू किया गया,जिसे वर्ष 2003 में और अधिक सुदृढ़ किया गया। यह अधिनियम अल्ट्रासाउंड,एमनियोसेंटेसिस,आईवीएफ जैसी तकनीकों के माध्यम से भ्रूण के लिंग परीक्षण एवं चयन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाता है। उन्होंने कहा किबालिकाओं के अधिकार, शिक्षा,स्वास्थ्य एवं समग्र सशक्तिकरण के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 24 जनवरी को राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। यह दिवस बालिकाओं के सम्मान,समान अवसर और सुरक्षित भविष्य के लिए सामूहिक संकल्प का प्रतीक है। राज्य में पीसी पीएनडीटी अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए स्वास्थ्य विभाग ने कठोर और सतत निगरानी की जा रही है। अल्ट्रासाउंड केंद्रों का नियमित निरीक्षण,सत्यापन एवं

पंजीयन/नवीनीकरण की प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित की गई है। जिला एवं राज्य स्तरीय सलाहकार समितियों की नियमित बैठकों के माध्यम से अधिनियम के उल्लंघन पर त्वरित कार्रवाई एवं कानूनी प्रक्रिया को और अधिक मजबूत किया गया है। उन्होंने जानकारी दी कि स्वास्थ्य विभाग और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, छत्तीसगढ़ द्वारा कन्या भ्रूण हत्या की रोकथाम, लिंग आधारित भेदभाव के उन्मूलन तथा किशोरियों के सशक्तीकरण के लिए निरंतर जन-जागरूकता अभियान संचालित किए जा रहे हैं। राज्य के सभी जिलों में निगरानी व्यवस्था को और सुदृढ़ करने, नियमित समीक्षा तथा अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर अनिवार्य सूचना प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने बताया कि छत्तीसगढ़ का 974 का जन्म के समय लिंगानुपात इस बात का प्रमाण है कि हमारा समाज बेटियों के सम्मान और संरक्षण के प्रति निरंतर जागरूक हो रहा है।

हाई कोर्ट ने सेवानिवृत पुलिस इंस्पेक्टर को दी राहत

कहा...शासकीय कर्मचारी को सेवाकाल के दौरान किए गए अधिक वेतन भुगतान की नहीं हो सकती वसूली...

रायपुर,24 जनवरी 2026। पूर्व सेवाकाल के दौरान पुलिस निरीक्षक की वेतनवृद्धि की गणना गलत तरीके से किए जाने के आधार पर अधिक वेतन भुगतान का हवाला देकर की गई वसूली को लौटाने का आदेश हाई कोर्ट ने पुलिस अधीक्षक को

दिया है। राजनांदगांव निवासी देवप्रकाश दादर पुलिस दूरसंचार केन्द्र, राजनांदगांव में पुलिस निरीक्षक (इंस्पेक्टर) दूरसंचार के पद पर पदस्थ थे। उनके सेवाकाल के दौरान वेतनवृद्धि की गणना गलत तरीके से किए जाने के आधार पर अधिक वेतन भुगतान का हवाला देकर उनके विरूद्ध वसूली आदेश जारी किया। उक्त आदेश से क्षुब्ध होकर देवप्रकाश दादर द्वारा हाईकोर्ट अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय एवं ऋषभदेव साहू के माध्यम से हाईकोर्ट बिलासपुर के समक्ष रिट याचिका दायर कर वसूली आदेश को चुनौती दी गई। अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय एवं ऋषभदेव साहू ने सुनवाई के दौरान पूर्व में सुप्रीम कोर्ट द्वारा पारित न्यायदृष्टांत का हवाला देते हुए बताया कि किसी भी तृतीय श्रेणी शासकीय कर्मचारी से अधिक वेतन भुगतान का हवाला देकर वसूली नहीं की जा सकती है। इसके साथ किसी शासकीय कर्मचारी को वसूली दिनांक से यदि 5 वर्षों पूर्व गलत तरीके से वेतनवृद्धि जोड़कर अधिक वेतन भुगतान कर दिया गया है, इसके बावजूद भी उक्त शासकीय कर्मचारी को अधिक भुगतान की राशि की वसूली नहीं की जा सकती है. उच्च न्यायालय ने याचिका को स्वीकार कर सुप्रीम कोर्ट द्वारा पारित न्यायदृष्टांतों के आधार पर याचिकाकर्ता पुलिस इंस्पेक्टर के विरूद्ध जारी वसूली आदेश को निरस्त कर एसपी दूरसंचार,भिलाई जोन को निर्देशित किया गया कि वे याचिकाकर्ता से वसूल की गई राशि का तत्काल भुगतान करें।

26 जनवरी तक एयर इंडिया की रायपुर से दिल्ली की फ्लाइट रहेंगी रद्द,एयरलाइन ने यात्रियों के लिए जारी की एडवाइजरी

रायपुर,24 जनवरी 2026। गणतंत्र दिवस के मद्देनजर राजधानी दिल्ली में सुरक्षा के कड़े प्रबंध लागू होने के कारण हवाई सेवाओं पर असर पड़ा है। एयर इंडिया ने रायपुर-दिल्ली-रायपुर सेक्टर की नियमित उड़ानों को 26 जनवरी तक अस्थायी रूप से रद्द कर दिया है। इस रद्द की गई उड़ानों में सुबह संचालित फ्लाइट एआई1718 शामिल है।

बता दें कि एयर इंडिया की ओर से जारी आधिकारिक सूचना में कहा गया है कि राष्ट्रीय राजधानी में सुरक्षा कारणों से एयर स्पेस पर अतिरिक्त प्रतिबंध लगाए गए हैं,जिसके चलते उड़ानों के संचालन में यह बदलाव किया गया है। अधिकारियों के अनुसार यह कदम यात्रियों की सुरक्षा और गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान

किसी भी अप्रिय घटना से बचाव के लिए अनिवार्य है। रायपुर से दिल्ली जाने वाले यात्रियों के लिए यह निर्णय खासा परेशानी भरा हो सकता है, खासकर उनके लिए जिन्होंने पहले से टिकट बुक कर रखी थी। एयरलाइन और एयरपोर्ट प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे उड़ान से पहले अपनी बुकिंग और उड़ान की स्थिति की पुष्टि कर लें। इससे अनावश्यक असुविधा और समय की बर्बादी से बचा जा सकेगा। एयर इंडिया ने प्रभावित यात्रियों के लिए रिफंड की सुविधा के साथ ही नई फ्लाइट्स में सीट आवंटित करने का विकल्प भी प्रदान किया है। रायपुर एयरपोर्ट पर पहले ही लंबी सुरक्षा जांच और कड़ी चेकिंग के कारण यात्रियों को प्रतीक्षा करनी पड़ रही थी,अब उड़ानों के रद्द होने से यात्रियों को यात्रा योजना में बदलाव करने की आवश्यकता होगी। सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि यह कदम केवल अस्थायी है और गणतंत्र दिवस समारोह के बाद उड़ानों का संचालन सामान्य हो जाएगा। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे यात्रा से पहले एयर इंडिया की आधिकारिक वेबसाइट या हेल्पलाइन नंबर पर लेटेस्ट अपडेट अवश्य प्राप्त करें और समय पर एयरपोर्ट पहुंचें।

आयुष की कार्यवाही : रजिस्ट्रेशन नवीनीकरण नहीं कराने वाले 487 आयुष चिकित्सकों की प्रैक्टिस पर लगा प्रतिबंध,परिषद ने इनका रजिस्ट्रेशन किया निरस्त

रायपुर,24 जनवरी 2026। छत्तीसगढ़ के 487 आयुर्वेद, यूनानी और नेचुरोपैथी डॉक्टरों का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया गया है। रजिस्ट्रेशन नवीनीकरण नहीं कराने की वजह से छत्तीसगढ़ आयुर्वेदिक, यूनानी व प्राकृतिक चिकित्सा परिषद ने यह कार्रवाई है। अब वे किसी भी तरह की सरकारी या निजी प्रैक्टिस नहीं कर सकेंगे। परिषद के अनुसार वर्तमान में राज्य में आयुर्वेद के 6321,यूनानी के 333 और नेचुरोपैथी के 201 चिकित्सक पंजीकृत हैं। अधिकारियों ने बताया कि पंजीकृत चिकित्सकों के लिए नवीनीकरण को वर्ष 2020 में अनिवार्य किया गया था, लेकिन कोरोना संकट के दौरान इसे प्रभावी नहीं किया जा सका। राज्य में पहली बार पंजीयन नवीनीकरण की प्रक्रिया वर्ष 2024 में शुरू की गई। इसके तहत 4 जुलाई 2002 से 31 दिसंबर 2019 के बीच पंजीकृत आयुर्वेद, यूनानी और नेचुरोपैथी डॉक्टरों को नवीनीकरण का अवसर दिया गया। इस दौरान कई चिकित्सकों ने नवीनीकरण कराया।

एंटी नक्सल ऑपरेशन में जवानों की एक और सफलता...बड़ी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद

गरियाबंद,24 जनवरी 2026। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में एंटी-नक्सल ऑपरेशन के तहत सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल की है. संयुक्त ऑपरेशन में जवानों ने नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखे गए हथियारों और गोला-बारूद के एक बड़े 'डंप' को बरामद किया है। इस बरामदगी में पुलिस बल से लूटी गई एक राइफल भी शामिल है.

संयुक्त ऑपरेशन में मिली सफलता : यह कार्रवाई जिला पुलिस बल की ई-30 (ई-30) ऑपरेशन टीम और सीआरपीएफ द्वारा संयुक्त रूप से की गई. सुरक्षा बलों को यह जानकारी सरेंडर कर चुके नक्सलियों से पूछताछ के दौरान मिली थी। आत्मसमर्पित नक्सलियों द्वारा बताए गए गुप्त ठिकानों पर जब जवानों ने दबिश दी,तो भारी मात्रा में घातक सामग्री बरामद हुई. सुरक्षा बलों ने जिले के तीन संवेदनशील इलाकों में सर्चिंग ऑपरेशन चलाया-पीपरछेड़ी, कमारभौदी,मैनपुर के कुकरार जंगल में जहां से हथियारों और विस्फोट सामग्री बरामद की गई है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)